हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

10 फरवरी, 1999
खंड-1 अंक-10
अधिकृत विवरण

विषय सूची

दुधार, 10 फरवरी, 1999

शंक प्रस्ताव
(10) 1
ताराकित प्राप्त एवं उत्तर
(10) 2
अंत-विशिष्ट व्यक्तियों का अभियुक्त
(10) 11
ताराकित प्राप्त एवं उत्तर (पुस्तरामा)
(10) 11
नियम 45(1) के अधीन प्रदेश की मेज पर रखे गये ताराकित प्रस्ताव के लिखित उत्तर
(10) 19
विश्व बैंक के लिये गए वर्ण वे संबंधित मामला
(10) 20
नियम 15 के अधीन प्रस्ताव
(10) 24
नियम 16 के अधीन प्रस्ताव
(10) 25
नियम 121 के अधीन प्रस्ताव
(10) 25
प्रदेश की मेज पर रखा गया कार्य योजना प्रस्ताव
(10) 27

75.00
समितियों की रिपोर्ट प्रस्तुत करना

(i) लोक सेवा समिति की 48वीं रिपोर्ट पेश करना
(ii) अनुसूचित जातियों, जन-जातियों तथा पिछड़े वर्ग कल्याण समिति की 24वीं रिपोर्ट पेश करना
(iii) अधीक्षक विधान समिति की 30वीं रिपोर्ट पेश करना
(iv) आश्वासन समिति की 30वीं रिपोर्ट पेश करना

खिलाफ—

1. हरियाणा विनियोग (सं.०१) विधेयक, 1999
2. हरियाणा विनियोग (सं.०२) विधेयक, 1999
3. हरियाणा विधान सभा (सदस्य चिकित्सा सुविधा) संशोधन विधेयक, 1999
4. हरियाणा विधान सभा (सदस्य भत्ता तथा पैंशन) संशोधन विधेयक, 1999
5. हरियाणा प्राइवेट महाविद्यालय (प्रवेश प्रणाली) संशोधन विधेयक, 1999
6. हरियाणा नगर पालिका (संशोधन) विधेयक, 1999
7. हरियाणा नगर निगम (संशोधन) विधेयक, 1999
This House places on record its deep sense of sorrow on the sad demise of General Krishnaswami Sunderji, former Chief of the Army Staff, on February 8, 1999.

He was born on April 30, 1928. He joined the Indian Army in 1945 and got commissioned in 1946. General Sunderji saw action during Indo-Pak War in 1965. He was Brigadier General Staff of a corps in the Eastern Theatre and made valuable contribution in operations culminating in the liberation of erstwhile Pakistan into Bangladesh in 1971 Indo-Pak War. He was awarded with Param Vashisth Sewa Medal. He became Deputy Chief of the Army in 1981 and Chief of the Army staff in 1986.

In his death, the country has lost a brave and courageous soldier and a great son of the motherland. This House resolves to send its heartfelt condolences to the members of the bereaved family.

This is a translation of the original text. The original text is in Hindi.

This House places on record its deep sense of sorrow on the sad demise of General Krishnaswami Sunderji, former Chief of the Army Staff, on February 8, 1999.

He was born on April 30, 1928. He joined the Indian Army in 1945 and got commissioned in 1946. General Sunderji saw action during Indo-Pak War in 1965. He was Brigadier General Staff of a corps in the Eastern Theatre and made valuable contribution in operations culminating in the liberation of erstwhile Pakistan into Bangladesh in 1971 Indo-Pak War. He was awarded with Param Vashisth Sewa Medal. He became Deputy Chief of the Army in 1981 and Chief of the Army staff in 1986.

In his death, the country has lost a brave and courageous soldier and a great son of the motherland. This House resolves to send its heartfelt condolences to the members of the bereaved family.
श्री राम विख्यात श्रमी
जो भी विनियमित न हो उन पर योग्य तथा उनके उनमें बढ़ती ही वास्तव में निम्नवा था। उनके निखर हो भारत ने अपना एक सरकारी और अपना एक प्रमुख छोपा है जिसमें हुए और यहीं माही की बढ़ा दूर करा है। श्रोत संसार परिवार के इतिहास अपने सेवन एक जल निर्माण करते हैं और भाषण में प्रारंभ करते हैं कि वह निर्माण आना को शान्ति है तथा उनके परिवार को इसे वाला कार्य करने की शक्ति है।

श्री अथवा : माननीय सदस्य, सदन के नेता और प्रो. राम नीरव शर्मा जी ने अपने कृष्णादेशी सुन्दरी के विधि पर जो शोक प्रस्ताव पेश किया है उसमें मैं भी अपने आकर्षण उपलब्ध बना हूँ। जनता कृष्णादेशी सुन्दरी भारत के उन मध्य लेखान्वितों में से वे मिलकर भारत की लेखानों में एक विशिष्ट रचना है। भारतीय जनसती के उन्में उनके रचना एक रचना देखे के सप्त में की जाती थी। उनकी एक शैक्षिक के सइ में अपना जीवन आध्यात्मिक किया और शायद ये जुड़े के उच्च पर पड़े यह उनकी अपनी धौम्यता का एक ग्राम प्रयास है। अपने साथी वीर में से अक्षमत उनके डी. जने से देख पहला मध्य लेखानित, एक समय देख पहला की लेखानों में बंद कर जाया है। मैं अपने और वे सदन की ओर हो निर्देशित होने से निर्देश आता के लिए परम पिता प्रभाता ये प्रारंभ करता हूँ कि उनकी आवाज को शान्ति दे और उनके परिवार के सदस्यों की इस बातों का बढ़ा जाने को शक्ति प्रदान करे। मैं नये माननीय सदस्यों के निर्देश करना कि उनकी उपलब्धि अनेक करने के लिए दो निर्देश का शीर्ष रखे।

(इस सूचना विख्यात आचार के समान में सदन के सदस्यों ने देखे हों कर दो मिनट का भीम आचार किया)

तात्क्षेत्र प्रसन 992
श्री अथवा : उपरोक्त भेदान्व, अय सत्य होगे।

tatakeet prashn tko 992
(यह प्रसन पूरा नहीं हुआ क्योकि इस समय माननीय सदन, जी देवरानी रुद्रन में उपलब्ध नहीं है)

Shops of Rai and Randhawa Market

876. Shri Anil Vij: Will the Minister for Local Government be pleased to state—

(a) whether it is a fact that the lease of shops of Rai Market and Randhawa Market has been expired since many years;

(b) if so, whether there is any proposal under consideration of the Govt. to renew the lease or sell the aforesaid land to its occupants; and

(c) if so, the time by which the proposal as referred to in (b) above is likely to be materialised?

स्वास्थ्य शासन भन्नें (५० कमल शर्मा):

(क) हैं, शीघ्रता।
(र) व (ञ) उपयुक्त, अथवा निम्न दवायों का कुछ अद्वितीय कार्य का निम्न का समय लेखक की शुरू की गई है, की अपमान, अथवा

प्रयोग के सारे के प्रयोग में नामक का अनुमान की गई है। 

भी अनल किया : अथवा कहोस, वह अपमान जानकी विश्व राम मार्क्स और रंग वाला मार्क्स 

के संबंधित प्रयोग है। 30) वर्ष पूर्व लगभग लेखक तीन से दुकानों पद्धार्थ पर दो गी यही विद्युत पद्धार्थ वर्ष 1983 से समाप्त हो गया था। जानक के यह यह कि पद्धार्थ समाप्त होने से वर्ष तक निर्माण समय के बारे में अपनी निर्माण बना लेती। लगभग 16 वर्ष पूर्व के लिए इस प्रयोग में कोई परिवर्तन नहीं लिया गया। जिसकी एक-जून के इलेक्ट्रिक और इलेक्ट्रानिक का विषय उपयोग है। जानक समय के विश्वास 16 सालों से उस दुकानों के विलुप्ति की गाई सामान नहीं हो रहा है। तीन वर्ष का वेतन निर्माण के है, इस दुकान को योग निर्माण के समय निर्माण कई साल से विलुप्तिकाल है। अथवा गौरव, इस 

समय में, हिमालय से के समय के डिपोर्ट में आयक के नाम और नाम कोर्ट से जगत ऊतक पर कि यह जी इसलिए वही भी है, इसका न तक समय कर दे देंगे ये इस वर्ष में, जब कोई समय 

शीर्ष का समय कर दे है कि एक गहरी में, ये गहरी में या तीन फिर के इस दंडक ने कर दिया कर 

जाना गया?

(र) किसान कर्मी : अथवा गोरसन, वह जो भारतीय कतिपय से विलुप्ति कर दे कि किया दान में गंभी 

के महोदया उस फेमल से जीविका। इस ता के कोई समय शीर्ष नियंत्रण की जाये। अथवा उपयुक्त की रिपोर्ट 

आगे का वा आपका की रिपोर्ट आपने तय होने का नहीं है।

(र) किसान कर्मी : अथवा गोरसन, स्मिता विवाह का प्रयोग विषय है। वह उनके अतीत चाहिए कि इस 

समय में सक्रिय को की बाद दो रा है इसलिए इसका नियंत्रण जन्मी न हो लिया जायेगा। 

प्राप्त यह पैसा आपका की रिपोर्ट आपने तय होने पर दिया जायेगा। 

(र) किसान कर्मी : अथवा गोरसन, स्मिता विवाह की दुकान का चार कार्य अपनी 

प्रदेश प्रारंभ किया। इस पर फूल 236 दुकानें। वह अथवा उपयुक्त की विन्यास के अंदर या शीर्ष वाद में अपनी वे इस दिन लें ताऊ के अंदर तक में नागरिक तथा 5-2-1977 को फूल कर दी। यही और नागरिक के सभी वेंटिलेटर के नुकसान के 

समय यह दो मार्क्स बाहर गई है। कहीं के आयक में विन्यास का कुछ समय करने के लिए दो 

फूल ने भी गई थी। इस 236 दुकानों में से 66 पदार्थ रखे ये जो मुख दाताओं में रखते 2 मुक्त दो 

गई थी। ने फूल की रस्मी कर रहे हैं। 36 दुकानकार देने हैं जिसकी दुकान अथवा दुकानदार की निराधा पर
बी अभिव दिवा

बी अभिव दिवा

बी अभिव दिवा

बी अभिव दिवा
लिखता अर्थ नहीं है। इसके अतिशय मान्यता नियमक के तहत वह भी नहीं है कि अगर लेखक लेखने वाले व्यक्ति इस नियम को पालन करता है तो वह भी वेब पर उसको वेब भी देख सकता जिसमें उसका इस प्रकार करता है कि न्यायिक रूप से वह नियम नहीं है। इसलिए करें और अपने अपने लेख में लिखा जाएगा।

धी वद्भाव: अस्तित्व में, यदि वे एकदम में नैदानिकता को पालन करते हैं तो उसकी जीत नहीं है। इसके बाद एक मान्यता नियमक के तहत वह भी नहीं है कि अगर लेखक लेखने वाले व्यक्ति इस नियम को पालन करता है तो वह भी वेब पर उसको वेब भी देख सकता जिसमें उसका इस प्रकार करता है कि न्यायिक रूप से वह नियम नहीं है। इसलिए करें और अपने अपने लेख में लिखा जाएगा।

20 कमला वर्ष: अस्तित्व में, यदि वे एकदम में नैदानिकता को पालन करते हैं तो उसकी जीत नहीं है। इसके बाद एक मान्यता नियमक के तहत वह भी नहीं है कि अगर लेखक लेखने वाले व्यक्ति इस नियम को पालन करता है तो वह भी वेब पर उसको वेब भी देख सकता जिसमें उसका इस प्रकार करता है कि न्यायिक रूप से वह नियम नहीं है। इसलिए करें और अपने अपने लेख में लिखा जाएगा।

धी वद्भाव: अस्तित्व में, यदि वे एकदम में नैदानिकता को पालन करते हैं तो उसकी जीत नहीं है। इसके बाद एक मान्यता नियमक के तहत वह भी नहीं है कि अगर लेखक लेखने वाले व्यक्ति इस नियम को पालन करता है तो वह भी वेब पर उसको वेब भी देख सकता जिसमें उसका इस प्रकार करता है कि न्यायिक रूप से वह नियम नहीं है। इसलिए करें और अपने अपने लेख में लिखा जाएगा।
१३ कमान वर्ष : अध्यक्ष महोदय, शासनीय विधायक भी को जता काटते हैं। ये अपने आप डॉ.म्यूज़िफ़र या डॉ.भूमिपुरा के पास नहीं, बल्कि फैला का एक रोज़नारा होता है जिसमें मुख्यमंत्री कैम्बोज देवी के ज्ञान हैं। हम रisciन्स के साथ निजीकरण का एक रिलायंस एंड एंग्री जाना है। उसने निर्देशन में यह भी फूल तनाव जो वक्ता है कि मुख्यमंत्री कैम्बोज देवी की उम्मीद पर जिन्हें नामांकन कर रहा है और वाक्यों में बदल दिया है। भी भागीदारी सदस्य भी आयतन है कि ये डॉ.म्यूज़िफ़र ने निलं, रisciन्स नेमें देख और हमें काम कि वे ४०० मासिक विलय सामग्री गर्दे हैं। अपने पर दिल्ली कार्यालय की आयोगी। अध्यक्ष महोदय, लकरी सरकार के बारे में तो ऐसे कई भी लकरी नहीं दिखे गाये। गणनीय विधायक उन जनाएं को मुख्य एक निर्देशक नामांकन दे हैं इस नियमानुसार कराए लें।

१३ कमान वर्ष : अध्यक्ष महोदय, में मंत्री महोदयों ने जानने पारा हूँ कि बज़ा सरकार की परीक्षण के वाह मुख्यमंत्री कैम्बोज की फात अनाच करने की पाररत रोहत या ३०।

१३ कमान वर्ष : अध्यक्ष महोदय, जीता कि आपका भी महाकाव्य है निकाह तरकार यो जो बदल लिया निर्देश के नाम बाबती थी। ये प्रमुख सरकार ने हुए के फात अनाच कर दिये ये और ग्राम में मुख्य बाद दे ने फात निर्देश कर दिये। मुख्यमंत्री कैम्बोज की फात अनाच करने की प्रीति मर्मत है। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार आँके के बाद एक अल्फा इन्स्टा तो डॉ.म्यूज़िफ़र, उन्हें भी डॉ.म्यूज़िफर या रisciन्स फात नहीं दे सकता। फात अनाच करने लिए सरकार को तरक के इंतजाम नहीं की जाती है।

१३ कमान वर्ष : अध्यक्ष महोदय, एक पाँच और ग्राम बाबती दूः कि मुख्यमंत्री मंत्री महोदय ने इन बारे में सुनत के अनुसार कत सकल इन्स्टा के जाने की है यह मां या ढूँढ़ मे डॉ.म्यूज़िफ़र, उनका पर दोहरी क्षेत्र में नहीं होता कि मुख्यमंत्री कैम्बोज देवी के फात अनाच करने की प्रीति की रोहत नहीं। इतिहास में बताती है कि हमारी सरकार के बाक के वाह में समन है भी देश। नहीं होता कि मुख्यमंत्री कैम्बोज की फात अनाच करने की प्रीति की रोहत नहीं। अध्यक्ष महोदय, उन पर दोहरी क्षेत्र में पाम दमार के होटेल-मोटर टुकड़े थे, वे टुकड़े भी उन मध्य होते को देने के लिए कैसिंग की भौतिक रोहत नहीं है, चाहे यह वृद्धि ५० गं मे लोग न हो।

१३ कमान वर्ष : मंत्री महोदय, यह वैदक है कि आपकी सरकार के वाह में फात अनाच नहीं कि ये नेशन भी होते सरकार के वाह में तो फात अनाच हुआ। होगा लोक सरकार का तो एक केंद्रस्तर प्रीस्नात है, वह तो लोग जाते हैं। सरकार की भी तो ऐसे लोकार्पण नहीं है कि वह पहले फात अनाच हुए, वह अके बारे में इस्तीफा को और देशियों के हितों का निर्देश करना चाहते हैं।

१३ कमान वर्ष : अध्यक्ष महोदय, जब भी हमारे पास कोई विरोध आता है तो नियम के अनुसार उन पर कार्रवाई की जाती है।

१३ कमान वर्ष : मंत्री महोदय, विरोध का बात नहीं है वर्ष पर आपकी कोई तो नियामक मामलों ने गो चूर्णित कैम्बोज की जन्म संबंधी पाने वाला व्यक्ति है।
भी महाभारत कथा : वधु, में हमें कहलाता है बापूर नामप्राप्त करके कोई भी कहते हैं। होटल में दुकानों के बेचने का काम सरकार के पास आता है। (विषय)

भी अवध : नेपेल साइक्लिंग ट्रेक में ची शुभलिखित कहती है।

भी नागली बयार : अवध कहते थे, वह हाथ में क्षय नहीं है, वह हाथ में हर बीज है। (लक्षी) वे होने मे दी शुभलिखित कहते हैं। अवध कहता, मै आपके माथ के एक तो स्थी मांडवा से यह माना जाता हू हू कि हमसपुर से नामप्राप्त करने को कब तक कह सकता है। यह मास पहज नगरपालिका का नामांकन को बेचने का काम सरकार के पास आता है। कई दुकानों को चेतने के लिए सरकार का कब तक अनुमति दे देगी।

हाँ कथा परम्परा : अवध कहते, यह सच्चा तो मैं जानता हू हू कि कब तक उन दुकानों को बेचने की अनुमति ही नामप्राप्त है। बाहर मे सेवा प्रदान करने की नीति थी इसके कारण मे जानते हैं इसके कारण मे जानते हैं। बाहर मे बाहर मे नामप्राप्त कहते हैं।

भी सामाजिक संपादन : अवध महोदय, मै आपके माथ से नामप्राप्त करने के एक जनरल बात बूढ़ा चाहता हू हू कि चाहिये तवही ने नगरपालिका के 20 प्लाट पढ़ दी है। उनके लिए हमें बाहर करना है कि यह नामप्राप्त उनके निश्चित नहीं करते। तो लोग महत्व पर नामप्राप्त करना लेंगे। यह मांडवा भी बतायेगी कि उसने कितनी बार तक नीति से जानते है।

हां कथा परम्परा : अवध महोदय, मैं पुरानी तो पूछा नहीं कर सकता क्योंकि कब तक उन दुकानों की नीति से जानते है। भी संरक्षाकर जी 20 दिनों की अनुमति करने की बात निकालते हैं दे दे लेंगे।

भी सामाजिक संपादन : अवध महोदय, इसी संदर्भ मे मैं तों बाहर मांडवा महोदय से बिल गुज़ार है।

हाँ कथा परम्परा : अवध महोदय, इस विषय मे तो भी संरक्षाकर ने पैर हैं कोई बात नहीं की है। लेकिन मैं उनको आपके माथ से नाम प्राप्त करना मानता हूँ कि वे बाल नगरपालिका के अंतर्गत हैं और उन पर कोई नामप्राप्त करना नहीं कर सकता है। जब भी वह बिल देंगे तो इसे अनुमति नहीं जानते।

भी सामाजिक संपादन : अवध महोदय, मैं आपके माथ से बाहर मांडवा को नाम प्राप्त करना कितने है तो भी कार्यकर्ता अधिकारी से जानते हूँ।
श्री विवेकानंद सिंह कविताओँ

आध्यात्म योगदान, जैसा कि मंगळ महोदय ने दिया है कि वह अपना विचार जीवन से आम भाषामान से उसको बताना चाहींगा कि प्राण विश्व एक चार प्रकार के व्यक्तियों को खाता लिया गया रहा जिनकी जांच हुई तो संबंधित धार्मिक अपरिमितियों को पहुँचा दिया गया और फिर उसे बहाल कर दिया गया है जबकि आज में वहीं प्रकार उसी सावधान नाम के व्यक्तियों के पास है।

मंगळ महोदय, उस कमल में अभी में में आप भी जांच कर सकते हैं और ध्यान से ध्यान करें यह और इसों की रिपोर्ट करने या कोई पत्र लिखने से का दायरा तो सरकार के ही पास है। यदि आप भी इस रिपोर्ट में वह ही ले पाए अगर तो उसे उत्तर दें उसके तो जानिए।

श्री विवेकानंद सिंह कविताओँ

आध्यात्म योगदान, जब हाथे-फाटे की सर्वप्रथा की आगे बढ़ता है तो इसलिए व्यक्तियों के उच्ची गतियों की जी और धार्मिक साधन रिपोर्ट में भी गाया गया है कि वह स्वाभाविक को गलत तरीके से पाए जाते हैं।

श्री विवेकानंद सिंह कविताओँ

आध्यात्म योगदान, जब हाथे-फाटे की सर्वप्रथा की आगे बढ़ता है तो इसलिए व्यक्तियों के उच्ची गतियों की जी और धार्मिक साधन रिपोर्ट में भी गाया गया है कि वह स्वाभाविक को गलत तरीके से पाए जाते हैं।

श्री विवेकानंद सिंह कविताओँ

आध्यात्म योगदान, जब हाथे-फाटे की सर्वप्रथा की आगे बढ़ता है तो इसलिए व्यक्तियों के उच्ची गतियों की जी और धार्मिक साधन रिपोर्ट में भी गाया गया है कि वह स्वाभाविक को गलत तरीके से पाए जाते हैं।

श्री विवेकानंद सिंह कविताओँ

आध्यात्म योगदान, जब हाथे-फाटे की सर्वप्रथा की आगे बढ़ता है तो इसलिए व्यक्तियों के उच्ची गतियों की जी और धार्मिक साधन रिपोर्ट में भी गाया गया है कि वह स्वाभाविक को गलत तरीके से पाए जाते हैं।

श्री विवेकानंद सिंह कविताओँ

आध्यात्म योगदान, जब हाथे-फाटे की सर्वप्रथा की आगे बढ़ता है तो इसलिए व्यक्तियों के उच्ची गतियों की जी और धार्मिक साधन रिपोर्ट में भी गाया गया है कि वह स्वाभाविक को गलत तरीके से पाए जाते हैं।

तारीखित प्रस्ताव संख्या—922

(इस प्रस्ताव पूरा नहीं गाया क्योंकि इस समय माननीय सचिव, श्री नक्स सिंह गद्दी सीटिंग में उपस्थित नहीं थे।)

तारीखित प्रस्ताव संख्या—927

(इस प्रस्ताव पूरा नहीं गाया क्योंकि इस समय माननीय सचिव, श्री फर्थीर सिंह गद्दी सीटिंग में उपस्थित नहीं थे।)

तारीखित प्रस्ताव संख्या—953

(इस प्रस्ताव पूरा नहीं गाया क्योंकि इस समय माननीय सचिव, श्री संजुङ सिंह गद्दी सीटिंग में उपस्थित नहीं थे।)
Repair of Roads

967. Shri Sat Pal Sangwan: Will the Minister for P.W.D. (R&R) be pleased to state the time by which the following roads of district Bhawal are likely to be repaired:—

(i) Jai Shree road;
(ii) Charkhi Dadri Rohtak road;
(iii) Neemrâli-Sarupgarh (approach road)
(iv) Sanwar Manhera; and
(v) Kohilawas to Sonf-Kasu road?

रोड के संग्रह : (भवल एवं सहानु) मंत्री (की कर्म सिंह दलाल) : इन सड़कों की ग्रामस्त चालू करने के वर्ष में होने की संभावना है।

भवल सरकार : अशोक महोदय, मंत्री जी ने इन सड़कों की ग्रामस्त चालू करने के वर्ष में संभावना दाखिल कर दी है, ऐसा तो उनकी एक भी कहा गया था और उनकी टप्पे पर कुछ-कुछ हड़के के लिये मेरे दाह से जिनके के दाह में यह जापान दिया गया था कि रास्ते खुद उनके से अतः उनसे भिड़ना हो जायेगा। अशोक महोदय, मंत्री का भी बयान में कहा था कि जय-श्री माता की सड़क समय पर हो। अशोक महोदय, मंत्री जी से मेरे दाह से वह हास्य उत्तर दे दिया कि उन्हें दाह देना 31 अगस्त को मानना था और 31 अगस्त को मानना था। इसके बाद मैं उनकी बात से उनसे वह भी दाह करना कह दिया है कि मेरे सहारे में निन दाह की सड़क बनाना भारत वाला है। मैंने भी वहां जा तक ही हो जायेगा।

रॉड के संग्रह : अशोक महोदय, मंत्री जी की दाह दी गई है और उनके सिंह दलाल या अर्थात् दाह के लिये सड़कों की सड़क नहीं बनायी। इसके बाद मैं उनकी दाह दी गई है।

भवल मुख्तार, मंत्री जी के लिये सड़क से निकल आवारा कहे कि उन्हें दाह करने की सड़क के लिये भी इसकी ही जरूरत है।

रॉड के संग्रह : अशोक महोदय, मंत्री जी की कर्म सिंह दलाल जी की दाह को निकला है और उनके सिंह दलाल या अर्थात् दाह के लिये सड़कों की सड़क नहीं बनायी। इसके बाद मैं उनकी दाह दी गई है।
श्री अभी : डॉ. राम, मानवीय सत्य के लिए गुलाम हैं जिन्होंने इन 1995 में वायरा के दौरान 9-9 और 9-9 गुलाम पर नैनो की तरह। इन 2-8 और 9-9 तक पर नैनी तल तक हुआ है। अंशिक मानव का गुलाम है इंक्लाइन, उस गुलाम के लिए मिलने का खंड है।

आप नहीं हैं जिन्होंने इस 11-12 दौरान का मानव जन्मा था। इस दौरान आपने किए अंतर्दृष्टि या तरीके से जोड़ा जाता है या जोड़ा जाता है या जोड़ा जाता है या जोड़ा जाता है या जोड़ा जाता है।

श्री का सिद्ध दर्शन : तीन दृष्टिकोण, जो जन्म की तरह है इसकी एक निर्माणीय नम्बर की मानवता है और उस पर वर्षा लाए जाता है। इसी प्रकार इस निर्माणीय और पूरी तारीख की तरह 4.71 निर्माणी की तरह है उस पर बढ़ा जाता है इसका ज्ञान किया जाता है। यथार्थ सत्य, आप जानते हैं कि शिशुओं को निर्माणी वातावरण ने नक्सलों की मानवता के लिए में बदल दिया है।

श्री राम विनाश सर्वोपरि : वर्तमान चर्चा के लिए कई राशियाँ हैं, नीतिया, निरस्ता के लिए नहीं हैं, नैनी तल, निरस्ता के लिए नहीं हैं, नैनी तल, निरस्ता के लिए नहीं हैं। इसके लिए वर्तमान सर्वोपरि है।

श्री रूपक तिख : तीन दृष्टि, में आपने निर्वक से पता कि जिस नतीजा को जानना गायब के लिए वर्तमान चर्चा के लिए नहीं हैं, नैनी तल, निरस्ता के लिए नहीं हैं, नैनी तल, निरस्ता के लिए नहीं हैं। इन्हें जोड़ा जाता है या जोड़ा जाता है या जोड़ा जाता है। इन दोनों का नतीजा बदल कर दिखाये जाते हैं। इसके लिए हृदा लिखना गायब कर दें हैं।
मामलों के बारे में जानना चाहिए?

श्री कर्म विहार न्यास: अभ्यास महोत्सव, श्रीनगरनगर में इस बारे में घोषित किया जाएगा। यह निर्णय ने तत्कालीन तरीके से प्रकाशित गया।

अति गहन कारणों का जवाबदेह

Mr. Speaker: Hon’ble Members, I want to make an announcement that the Hon’ble Members of the House Committee of Bihar Vidhan Parishad and Shri Mantur Singh Brar, M.L.A. Punjab Vidhan Sabha are present in the V.I.P. Gallery. We welcome them. (Thumping)

सिद्धांत जी (भी रात कला शम्मी): अभ्यास महोत्सव, पत्थर में जो तपाई गानें लोगों के लिए, इसके लिए विशेष भी मराठी-आईवीपी नैतिकी में उपस्थित हैं, जो नीचे का नाम और सरकार की हर तरफ से इसके साथ काम करेगा।

सरकारी पत्र एवं उत्तर (पुनरारोप)

श्री अभिनव विवेक: अभ्यास महोत्सव, मैं जो नीचे नाम दे देंगे तो पहले में शामिल हो जाता है कि मेरे सरकारियों के दो और बाकी भाषाओं में यह वांछनीय है। तो इसके बारे में लिखित करना है?

सरकारी पत्र (भक्ति तथा शरीर के बीच) बीजी (भी रात लिख वाराणसी): अभ्यास ग्रामीण, भी जो नीचे दे देंगे भक्ति का नाम, जो श्रीमति बुध नाम यहां है। तो इसके बारे में लिखित करना है?

श्री सर सरकार: भक्ति भक्ति, यह ही जो नीचे दे देंगे भक्ति का नाम जो नीचे दे देंगे भक्ति का नाम है।
श्री ओप्राक्ष: केंद्र गड्डे की नहीं भर्तियाँ जाएं ऐसी वार कभी है। मनी जी के रोड जो भिरानी से जीवन आता है यह एन-डी-आर-एन या देश आता है यह तो अच्छा कारण यह रियाज़ के देश से बिकटने में सुधी मिलानी से मूलभूत खुर्द तक सड़क बनाने के लक्ष्य से पूरी तरह से सुधार हुआ है यह मेरी कोठारमयाणी का प्रयोग है। केंद्र आदेश में काम नहीं रहेगा, मनीजी जी निविष्ट हुए लें वे भरीखृत विलायत विश्वास से नीतियों को तकरीब रख ली जाएगी?

श्री कर्ण सिंह दत्तात्रेय: अगरहाला महात्मा, गंगाधर संतकेन ने जो स्टेट गड्डें का बात करते हैं उनके बारे में उन्होंने बताया कि अनु-91 नामी अंतराल रेंज में सज्ज करने में सक्षम नहीं है। और उनके बारे में 6:41 दिनों में गेट, रोड लोक का लोक करने में आता है और 3:48 दिनों सड़क का काम अनेक बिखर जाता है। यहाँ स्टेट रोड का आता तक तिथि की चाल और उन्होंने कहा की भी इसका आधार मात्र भी बहुत बड़ी विश्वास के अधिन्यासियों में इस बारे में बात की है इसके आदेश का काम प्रेषित है। वार्ता लोकी की कारण से गलत विवाद का पता लगाने पर काम करने में काफी दिक्कत आती है। जैसे यहाँ कराते वाले विश्वास की बाती की नहीं जिस नीतियों से जीवन है और वह खुद विवाद है जिसके बाद वह जल्दी में ज्यादा ही इस रोड को ठीक का कर दिया जाएगा।

भी ओप्राक्ष: मनीजी जी, दलन पर वार्ता लोकगृह की कोई प्रतीक्षा नहीं है। यहाँ पर पूर्वतना विवाद के निष्ठावी है रोड में गेट का लोक करने की कोई प्रतीक्षा नहीं है।

भी विक्रेता सिंह कांडकर: अध्याध्यान्त भी, अगर पालिका मनी ही ने रोड पर निश्चित करने के लिए प्राप्तिक वाले में जो स्टेट गड्डे को ठीक करने के लिए नाम-20-डी-आर-एन टीका कामांग जारी हो और फिर विष्ट होकर रोड ठीक होने के बाद में अद्वितीय मनो के लिए पूर्वतना वाट वोहाय प्रतीत हो जाएगा?

भी कर्न सिंह दत्तात्रेय: योगेश सर, विष्ट लिख रोड को ठीक करने का काम तो लघु फैक्ट है, तथापि सीसे में निष्ठावी जी के लिए विश्वास का ठिकाना नहीं है। हम ने अपने काम करने का काम किया है भी माफ़ कराने का काम करता है।

भी उपातिनाथ चंडै: अध्याध्यायः घटना, भील मनोकथा, ने जो दलन पर तालाब का रोड बनाने के लिए नाम-20 डीआरएन टीका करार में जग्गे और फिर विष्ट लिख रोड तालाब का रोड लिखने पर जो गढ़ है उस पर रोड करने का काम कर दिया जाएगा। पूर्वतना विवाद है जिस कारण के बाद तालाब में जाने वाले की विष्ट विष्ट रोड के उपर काम करने की कोई प्रतीक्षा नहीं है।

भी उपातिनाथ चन्द्र: अध्याध्यायः केंद्र महात्मा, भील मनोकथा, ने जो 4-5 रोड बनाते हैं। आदेश मुख्य राजी जी के कारण के लिए उन्हें वार्ता देना है। आदेश महात्मा, भील मनोकथा, जी के ज्ञान है जानने वाले की चित्रण खेले हैं। भील चन्द्र, भील मनोकथा, ने यथा महात्मा जी के लिए आदेश का काम भी पहुंचा। आदेश महात्मा, भील मनोकथा, जी के लिए आदेश का काम भी पहुंचा।
भी केलाश नंद शर्माः शोककांत साहब, मेरे व्यक्ति से जिन्हीं भी सड़कों के बारे में वहां पर पृथ्वी गांव है उसमें से लिए मधुरपुर गड़बड़ कोट्यूलैंगे में मेन्जरी लेटी हुई सड़क की जाति है वह सड़क तथा इस सड़क का पर परमाणु उपकरण वाला है। इसके बाद बहने ही टीका करवाया जाए। अध्ययन महोदय, भी जो यह भी वाले कि यह इस सड़क के मेन्जरी है भी जानते हैं।

भी कर्म सिंह दासः शोककांत साहब, फैश पहले राम के लिए शर्मा की आपातमार्जन दें सुनें हैं और यह जो इसमें कोट्यूलैंगे में डीडी नवीकरण की वात की ता इस बारे में मुख्य बने जो जो आवेद भी लिखा हैं और इस मंत्री आप का उपन्यास इसी प्रकार आपका अभिलक्षण है यही बात करना जा रहे हैं और समय समय की तरफ से भी उसी तरह करने जाते हैं कि इस सड़क का मेन्जरी है भी बता दिया।

भी कर्म सिंह दासः अध्ययन महोदय, भी अपने माध्यम से भी जो जो जानना चाहता है कि शासन द्वारा कल्याण के बारे में सल्ला और ऊंची होती हुई जो सड़क अन्याय-विनाशक रीति के सिलेट भी होकर 20 दिनों में कराया जायेगा। इसमें दूरदूर बढ़ा-बढ़ा भड़ा जा गया है और आयकरन नाम की रोकी है। जनजीवन के नियम भी सड़क के नियम दर्जा होता है जो उस सड़क के नियम दर्जा होता है। हर रोज़ा दूरदूर भड़ा जा गया है। उस सड़क का नियम भी वाला वर्तमान है उसी धरा है। आयकरन द्वारा बढ़ा-बढ़ा भड़ा जा गया है। जो उस सड़क के नियम दर्जा होता है। इसमें दूरदूर बढ़ा-बढ़ा भड़ा जा गया है।

भी कर्म सिंह दासः शोककांत साहब, माननीय पैविन साहब ने पहले निहा शर्मा के बारे में बता की है उसके बारे में हम इसके बालाश बाध्य हैं कि जब सुराग नीलों में गांव की विराज का जीवन भुगता था उसमें पहले पहले प्रदेश की जीवन पीएम हैं उसके प्रवक्ता ने और अपने मिश्रण के बारे की भी और हमने योगिता यह भी कि जो वड़ां और रास्ते भूरे नीलों को जाते हैं उन कारों में विविध र तो हमारी उस सड़क को हमें दीक्षा करने की कोशिश की है। माननीय साहब, आप रहते हैं कि यह राजा जो महान वाले हैं सुराग नीलों को जाता है तो वे अपने प्रवक्ता ने हम इसके प्रवक्ता वर्तमान के अब करने को कौशल करने। अध्ययन महोदय, अग्निक शर्मा के बारे में हमाने पहले है तो उस बारे में हम जो बतांगा अनुमोदन कि जब सड़क के गांव का सम्बन्ध का स्वतंत्र वर्तमान तो उसमें हम इसको भी दीक्षा करने को कौशल करना।

भी कर्म सिंह दासः अध्ययन महोदय, भी अपने माध्यम से भी जो जानना चाहता है कि यह सड़क के राह-रेखा, हमारी पहले यह हमारे बारे में हमाने पहले ऊपर खिलाने पर लिखा दिया जा रहा है। बाहर लिखा रहा है 100 उसका एकान्त आकार लिखा होगा।

भी कर्म सिंह दासः अध्ययन महोदय, हरियाला में रिले के रिले के हैं एक गांव नाम जला है और उस जला है विहारिया में लड़क के बाल्क के नियम लिखाने पर लिखा दिया जा रहा है। उसके दोस्त के बारे में हमाने वाले की है। उसमें वाले की प्रकृति यह है कि आज का बाल्क के उसका नियम नेक्ट जो महान एक एक राजा पर राजा ऊपर है जो सड़क के बाल्क दोस्त नाम का आवश्यकता है वह भी भी वह अब जाते हैं। जो महान एक दोस्त है उस पर हम भी भी अब नाम ज्ञात है। यह जो हमारे वाले करवाने है उसका वापस चुप्पी लेना शुरू होगा। जो वापस कर गए हैं, रेलवे और वाले और अध्ययन है हम हम उस शर्मा हमें शक्ति करने की वाली कोशिश करेंगे और करवाने के माध्यम से हम उस सड़क का उपयोग देखने के लोगों को यह सुविधा देने की कौशल करने।
लागू होने वाले प्रस्ताव 944
(यह प्रस्ताव पूर्व नहीं गया क्योंकि इस समय माननीय सरदार श्री रामचंद्र बुँदुब सरदा में उपस्थित नहीं थे)

Completion of Service Lane, Panipat

975. Shri Om Parkash Jain: Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state whether it is a fact that the construction work of service lane on the G.T. Road within the limits of Municipal Committee, Panipat is lying incomplete; if so, the reasons thereof together with the time by which it is likely to be completed?

लोक निर्माण (भवन एवं सड़क) संख्या (52 वर्ष तक): यह ठीक है कि जी-0 मोटर रोड पर नगरपालिका परिसर की सीमा में (जी-0 मोटर रोड से फिरे 92.300 कि) सरकारी लेन का निर्माण कार्य अभी कार्य नहीं। पूर्व ठेकेदार की मांग 1996 में पत्तिया कार्य के कारण निर्माण कार्य था। कार्य एवं ठेकेदार की ज़रूरत, 1998 में आया है। सरकार लेन का निर्माण कार्य विस्तार, 1999 तक पूरी होने की संभावना है।

श्री अमृत मल्लू: जी-0 मोटर रोड, वहाँ पर कांच बाल है इसमें कोई तल की गलती नहीं है।

भी बंगले जी माननीय: अचानक होता है, वहाँ पर कांच बाल है इसमें कोई तल की गलती नहीं है।

श्री अमृत मल्लू: जी-0 मोटर रोड पर कांच बाल है इसमें कोई तल की गलती नहीं है।

श्री अमृत मल्लू: जी-0 मोटर रोड पर कांच बाल है इसमें कोई तल की गलती नहीं है।

श्री अमृत मल्लू: जी-0 मोटर रोड पर कांच बाल है इसमें कोई तल की गलती नहीं है।
कि उनके बारे में अभी विवरण हेतु है। सीधे तरा, आप जानोगी होंगी कि पिल्लों परिवार का नाम तक पिल्लों स्वाक्षरों में न तो शब्दों को एकाइयों के बारे में कोई ध्यान दिया और न ही प्रेमद दिल की सड़कों की तरफ गाइया। तब ही उन लोगों को चाहने की मात्र चाही तो पहले को चाहने के लिए आप भाषा परिवार से अनुपुस्त लेने पड़ी हो। अपने नाम यह पिल्लों नामों में पेंट रखकर रखते हैं या हम उनके बारे के लिए अनुपुस्त करें। इसके अलावा उनके शहर में जो समिति लेन टूटी हुई है उनको भी रेड टॉप करने की कोशिश करते है।

**भ्रष्ट विशेष नौकर:** अध्ययन महोदय, पहले पर एक स्वतंत्र लोगों के लिए विवरण की मात्र नहीं है बल्कि वह तो नीति नहीं है एक उपर का यह अजूबा है लेकिन यहाँ पर पेंट को बाँटने की वारदात से आप राज करता है। यह आपके मामले में नीति जो दोहरों का अर्थ कहकर इस कार्य में एक केस बचाना चाहिए चाहे यह नहीं करते कार्य करो तो यह अलार्म का केस हो जाने के लिए वह शहर का नीति जो दोहरों का केस हो लेकिन यह केस बचाना जरूरी है जाने का महत्व में पेंट करने और यह यह कर जाए यह देख पीर भी जरूर हो जाए।

**भ्रष्ट सिद्ध लोगों:** अध्ययन महोदय, में पहले ही माननीय लोगों को बात पुकार दूं कि तब जो नया नया नया समझते रहे हैं उनके मामले ही है कि पापों का भाव अलग है और सड़कों के लोगों के लिए एलोडिट ऋणपत्र का भी नहीं मानना है कि पापों का भाव में यहाँ पर जब तक एलोडिट उठाने की चाहने तरह तक के दिशा का बावजूद मुस्लिम रह जाए। इसके अलावा यह तब इससे बुरा होगा के बाहर के बाहर के बाहर है तो ये दिशा हिन्दू के कार्य कथा में आ जाएंगे इनके सम्मान ही अपने अभिकथित से बात कर लुंगा और इसी विस्तार का समाप्त निकलता हुआ।

**भ्रष्ट विशेष नौकर:** अध्ययन महोदय, कर्मचारी-अभान फोरेवरस के बारे में, लांबी तक भी आपकी है कि उनकी समय सिफारिश करते हैं। यह आपके शासन में हो सकता है यह नामनामांकन का कार्य करने की सिफारिश करते हैं। यह नहीं? अगर बचाव क्यों नहीं? तो करे और कर जाओ यह बाबा पुरू जाएगा?

**भ्रष्ट सिद्ध लोगों:** अध्ययन महोदय, इस लघु मेरे पास इस बारे में पूरे तथ्य उपलब्ध नहीं है लेकिन मैं इसने इस कार्य में एक फाइन डेटोर पूरी जानकारी में टूटा है।

**भ्रष्ट विवेकी नौकर:** अध्ययन महोदय, जैसा इसके कारण कि सरकार पापों भाव में एक एलोडिट हैं-बनाने जा रहे हैं। मैं नीति जो नाम का बाहर का यह बाहर कर जाएगा?

**भ्रष्ट प्रमाण लेखन:** अध्ययन महोदय, यह नहीं बताए कि हम बनाने जा रहे हैं बल्कि चाहे यह कहा कि हमने विवाह अभी इस बारे में लोहा रहा है और हमारा मामला यह है कि अंग्रे बनाने पर एलोडिट गहरा तो रस्ते पर लोगों को अंतर आने में लुहान जाएगा। इस जो दौर से अंग्रे सबसे दूर पूर्व का एक भिन्न माना जा रहे हैं तो यह इस बारे को महजुबाए रखने हुए चलाना जाता रहा है। बाहर की इस तरह की जो भी समस्ताएं होगी चाहे यह देखें और खिल लें, खास एलोडिट लें। चाहे बाहर पाने से, काम टूटने से, जो एन-180-आर-से उनके बाँटने पर विवाह कर रहे हैं। उनका बाँटना का कार्यक्रम नहीं विस्तार है।
Building of Charkhi Dadri Hospital

#968. Shri Sat Pal Sangwan: Will the Minister for Health be pleased to state—

(a) whether it is a fact that building of Hospital Charkhi Dadri recently taken over by the Government is in dilapidated conditions, if so, the time by which it is likely to be repaired; and

(b) the time by which building of Primary Health Centre, Achina is likely to be completed/start functioning?

लाभ मल्ली (श्री ओप्यं प्रस्ताव गठन) :

(क) नहीं।

(ख) भाग्य सीमा पूर्ण बनारे हेतु प्रज्ञा किने जाएगी।

श्री सतपल सांगवन: अभ्यास मानौशद, माननीय मल्ली जी ने (क) के पार बांटना कि “जो नहीं”। ये बहुत ही सीमित मल्ली है फिर भी पूर्व नवाब दे रखे हैं। अब तक इसके उस अपस्थत की मजबूत देखी नहीं है, जैसा मल्ली के अपस्थत ने इनको यह दिया उसी के आदेश पर इसके कहने वाले दिया.
कि जी नहीं। अनुपम महादेव, यह व्यक्तित्व पालने तीन तार तथा में रहे। उनके १७-११-१९९७ को हस्ताक्षर की संपत्ति अलावा उनके हस्ताक्षर का दावा दिया जाता था। उनके खिलाफ दावा करने के बाद तीन तार तथा इसे कहिए था। इस अपराध की विनियम का मुद्दा बनाया था। जिस ने मंदी में उस विनियम की वजह के पार था था कि "जी नहीं।"

श्री भोपल महाजन : अनुपम महादेव, यह अपराध अनुपम, उनके जिन्दगी से संबंधित उपन्यास निकाल के नाम में है इसकी संबंध हार्ल १७-११-१९९७ को देखा गया था। उन्होंने उस अपराध की जी दुःखरोधा संबंध है। उन्होंने संबंध के जो मन्त्र पाम्रू हैं उन्होंने दाह्र १९ हजारों का बौद्धिक कारण है। हमें पी.०.३५००६ में २ लाख ४२ ग्राम, १९९० रुपये के निर्माणकारक निर्माण के संबंध में भेजे हुए हैं और उन्हें देखा गया तथा उन्हें एक बार आजार है। उसके बाद आयोग की बातचीत की जमीयत हो। बाहर में मैथिल के बाद जन नंगालदार वाले को पहले पर जमाना देखा जाता।

श्री अरविन्द : मंदी में, जो अपराध अ करी बहुत विशेषता के पूरा कर दिया गया था कि जी आम विवादास्य है। इसकी मुख्यतः एक तो दूसरे बालक/बालिका में, एक भी नृत्य निर्माण की उन्होंने लिख जिस की बातचीत की है। प्रश्न वाले पर जो संबंध अभाव या उस उस १९९३ और १९९५ के पारे में २-५ पाया गया। उसके बाद उस अपराध का नाम दिया गया है। वह अपराध की है। जिसके विशेषण की वजह की है, उसके अनुसार उस पर धोखा दिया गया कारण संबंध को उसके भाषण कारण नहीं। क्या जाना जाय तथा कारण विवादित के बाद यह कम उन्नत है?

श्री संजय साहाय : अनुपम गांधी, (७) भाषा के बाद में उन मंदी निर्माण का कारण नहीं है कि अनुपम पी.०.३५००६ की विनियम तथा देखा जा सकता है। उसके अनुसार अर्थ विनियम और उनकी कारण जाने का वजह कितना है। उन्होंने उस पर उस तथा उन विनियम की वजह अच्छी तरह से २-४ मलिक के अर्थ विनियम भी से संबंध है। की जाए जाए जाने के पारे में उस विनियम की संबंध की जमीयत है।

श्री आम्र प्रभा महाजन : अनुपम महादेव, भारतीय सरकार एक बार रहे कि अनुपम पी.०.३५००६ की विनियम चाहे हो संबंध हो सकती है। के अर्थ विनियम और उनकी कारण जाने के पारे में है। संबंध के १९९३ और १९९५ में उस विनियम की जमीयत को उस पर तथा के पारे में है। इसके पुरातन का कारण के नहीं कि विनियम का एक निर्णय दिया गया। और उनकी कारण और उन विनियम का प्रस्तुत तथा में है। इसके पारे में ९.२७ लाख रुपये, उस पर और १०.३२ लाख रुपये अर्थ-विनियम पर दायर होने हैं। की दो दूसरे एकुं ठ १७-१०-१९७४ और १४-१०-१९७४ का निर्माण का नया भवन है। और भी के दूसरे पी.०.३५००६ की वजह का कारण पर दायर होने है।

श्री बालजी कर्म श्रीराम : जिर्ज़र कर, मिलकर सब शारीर के द्वारा नृत्य अपराध की आर्द्धकालिक गिर गई थी। इस विने भारतीय पूर्वांशदी की है जो भी अनूठा था। जो उन्होंने उस कारण के लिए पांच तार रेप्स के विशेष भी कह दिया था और एक दृष्टि वें इस कारण की दृष्टि दिया। लेहिन उन दृष्टियों को एक साथ लेना अच्छा है और उन विशेष दृष्टियों को दृष्टि का कारण है। जिस जान से अदा तक का प्रदेश है।
श्री ओम प्रकाश महावन : अयोध्या पहाड़ी, जो गाँवी गढ़ ने मंदिर मुख्य व यह सन्तान देखा है उन्होंने खुद के नाम से अयोध्या पहाड़ी में बसाया।

श्री ओम प्रकाश महावन : अयोध्या पहाड़ी, उन्होंने खुद का नाम सन्तान देखा है उन्होंने खुद के नाम से अयोध्या पहाड़ी में बसाया।

श्री ओम प्रकाश महावन : अयोध्या पहाड़ी, जो गाँवी गढ़ ने मंदिर मुख्य व यह सन्तान देखा है उन्होंने खुद के नाम से अयोध्या पहाड़ी में बसाया।
स्वागत प्रकाश प्रसाद: अध्यक्ष महोदय, आपके दर्शन के लिए तथा मानवीय मुख्य मंत्री अध्यक्ष ने एक कोड दिखाया लाता हुए। संग्रह नंदा तथा इसके लिए साधन 15 माह की लागू भी निर्देश दी है। सरकार के यह निष्क्रिय हस्ताक्षर इस वार की सभी वार की वास्तविक दृष्टि को प्रभावित कर रहा है।

सीमांतदेश निर्देश: अध्यक्ष महोदय, आपने थप-थपर का या अभी निर्देश त्याग नहीं किया जा सकता, उसके लिए यहीं में पूरा साधन निर्देश िक उसके वर्तमान तक तकनीकी व्यवस्थित किया गया?

बिहार बोधित बोधित: अध्यक्ष महोदय, तैयारी के लिए यहीं भोजन का पूरा है जैसे इसका खाता होता है। इसे अपने तिरंगा पर पाता नरके का जवाब हृदय।

11.09 बजे बिहार बोधित: अध्यक्ष: अम्बेडकर का काल खाता हृदय।

बिहार बोधित: मंत्री, अध्यक्ष ने गंगा सिंह के लिए कहा कि इसके वर्तमान तक तकनीकी व्यवस्थित किया गया?

बिहार बोधित: अध्यक्ष महोदय, तैयारी के लिए यहीं भोजन का पूरा है जैसे इसका खाता होता है। इसे अपने तिरंगा पर पाता नरके का जवाब हृदय।

Mr. Speaker: That is not permissible under the Rules, because the Question Hour is already over.

निलेख 45(1) के अधीन तदनेवं भावना के मेह पर उठे यह चर्चात्मक प्रश्नों के लिखित उत्तर

**Replacement of Wooden Ballties with Iron Poles**

872. Shri Anil Vij: Will the Chief Minister he pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to replace wooden Ballties (poles) with Iron Electric Poles in Madesh Nagar, Gobind Nagar and other areas of Ambala Canton?

(b) if so, the time by which the aforesaid work is likely to be completed?

पुरातन (श्री बंदोला लाल):

(क) एवं (ब) काशी में कोल्हापुर (पोल) की वस्तु के लिए के वस्तु के पोल के माल वस्तु का लम्बी प्रशासन वाला है। ध्यान की उपस्थिति पर निर्धारित कार्य के लिए प्रशासन अध्यक्ष के जीत श्रेयी अध्यक्ष के चल पोल को इंजीनियर ज्योतिर कंस्ट्रक्टर पोलों के माल वस्तु का प्रशासन है।
Construction of New Roads

*978. Shri Banta Ram: Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct the roads of the following villages:—

(i) from Guda to Guđi;
(ii) from Gundiyana to Kasyap Majra; and
(iii) from Hartam-Sikandari to Hirun Chhapar?

Lok Sabha (Reply by Shri Bansi Lal Shukla): The proposal for construction of roads is under consideration. The road from Guda to Guđi, Gundiyana to Kasyap Majra, and Hartam-Sikandari to Hirun Chhapar is likely to be completed.

Completion of the Grain Market Safidon

*945. Shri Ram Phal Kundu: Will the Minister of State for Horticulture & Marketing be pleased to state—

(a) whether it is a fact that the construction work of New Grain Market, Safidon is lying incomplete;
(b) if so, the time by which the construction of the aforesaid Grain Market is likely to be completed?

Lok Sabha (Reply by Shri Harish Chandra Mehra):

(a) The report of the Engineering Department shows that the construction of the grain market is incomplete.

(b) The construction of the grain market is likely to be completed by the end of the current financial year.

Digitisation

Shri P. Shankar: Digi-Mission, a project under the Ministry of Information & Broadcasting, is being implemented to digitise all records of the government. The project is underway to digitise all the records of the government agency.

Shri S. Shankar: The project is being implemented in collaboration with various government agencies to digitise all records of the government. The project is being carried out in stages to ensure that all records are digitised efficiently.

Shri S. Shankar: The project is being implemented across all states and territories of the country. The target is to complete the digitisation process by the year 2022.
लोग देश का राष्ट्र की जीत के लिए अपने जीवन का कुछ आज़ादी नहीं पहलें?

श्री सत पूल संगवान: Whether it is a compound interest or a simple interest?

भी आत्र किंग लेनी: अभ्यास गोल्डफ्यू, ऐसे इतरा पूरीतत्व 9.1% इंटरेस्ट प्रति वर्ष के नियम से करार पदार्पण।

भी हस्तक्षेप संगवान: अभ्यास गोल्डफ्यू, ऐसे इतरा गोल्डफ्यू ने आत्मा पहलवान हूं कि जयम बंडें वैकल्पिक ने जो लोग लेने हैं ऐसे के बाद तिल्पों की हैं जो महत्वपूर्ण देते हैं क्या उन पर कुछ आज़ादी पहलें?

श्री विनल्ला के में जो कुछ बढ़ने लगे थे?
श्री अंतर सिंह रॉय: अश्वमोद, में आपके पास मे गांवगाहार की सरपत्नी संगीता जी का वाणिज्य चारण के दिन कविताओं की जो कविताओं पर सबसे बड़ी दी जाती है इसके बाद में हमें बालाला गृहारणी की नैना में चौपारे हो वाणिज्य जी ने 1971 में एक लेख लिखा लागू किया था और उस समय किसानों की किसानों बहुत सत्ता दी जाती थी। लेकिन उसके बाद आप तक जो कविताएँ लिखने के गुण नहीं रहे हैं उसके बाद कर कविताओं के रंग बदले हैं और समाज आपस में कर दिये हुए है। उस बाद 25 पैसे प्रति पुस्तक कविताओं की वित्तीय दी देती थी जो निःशुल्क 20 पैसे प्रति पुस्तक तक हो गई है। लेकिन यहां से एक (300) प्रति पुस्तक ग्रामीण सरकार के किसान आपने के बाद कविताओं की कविताओं पर सबसे विशेष चौपारे जाने और आपने तक यही मान से जो 50 पैसे पुस्तक के हिसाब से कविताओं का कविताओं निकली रही है और प्रति कविता रेठ ही 65/ - प्रति पुस्तक जीवन निवेदन के हिसाब से कविताओं को कविताओं निकली रही है। इसके अलावा कविताओं पर रिव्याचारी टिडियर भी जा चले जाने गए, ऐसा ही श्री गांवगाहार की एक अध्यात्मिक श्री मे विविधता दिखा हुआ है।

कविता के लिए प्रशंसक रॉय रॉय और बिंदुस्क कवितालय न्याय सभित नहीं रही है। अब श्री मोदरेन, बिंदुस्क नामक विदेशी काव्य से रॉय कविता के पुस्तक के विषय से कविताओं के कविताओं का विषय क्षेत्र में कविताओं के रंग निष्पादित करने के बाद में एक पूरा कविता दिखा है जिसके लागत यही वाणिज्य जी के पुस्तक के रंग निष्पादित करने के बाद में एक पूरा कविता दिखा है जिसके लागत यही वाणिज्य जी के पुस्तक के रंग निष्पादित करने के बाद में एक पूरा कविता हुआ है। वर्ष 1999 में श्री गांवगाहार की एक अध्यात्मिक श्री मे विविधता दिखा हुआ है। इसके लिए कविताओं का पुस्तक नाम हो तो वह रात्रिके अयोध्या का अलावा कस्तरा है। इसलिए कविताओं के रंग बदले जाने का संस्कार के लिए है।
नेपाल, सरियाया प्रदेश को 40000 बेलागुड्क बिखरा बाबुजी ने जबकि सरियाया के पारंपरिक 863 बेलागुड्क शिकार बिखरा है और एक ही खुलना खुशनुमा कर्मचारी कोई नहीं शाक्ति है और तीन सलील पल्ला हो जाती ज्यादा बिखरा नर्माने में नहीं आ आ जाती। जला भूस्वर भगवान, ज्यादा में चींटी बंदों का नाम जो की सरकार को और उनकी सोच की हर स्त्री के माध्यम से बदायूं देखे बाहर है क्योंकि जो सरकार बिखरा 20 सलील हो या 20 सलील हो बिखरा के उपरान्त के खाता में जोई वाला भी नहीं उठा सकते और वे सरकारी दिवसीय के उपरान्त के खतरे में कोई सबसे रहना है उसकी टी. है। सरियाया का यह ईरान है कि नव विकास के खेल में पूरी तरह बकबाल होते हैं, जब चारों में अपना अपने को बाहर आती है तो नेपाल में तथ्य की सलील स्थापना होती है लेकिन विकास के प्रयास के रूप में उन्हें निश्चययों नहीं जिन्हें उन्हें लिये जाने वाले नामक उपाय वे अशोकनाथ के आगे उठाए हैं और इस वात का गलती यह है कि निश्चययों सरकार के समय में उन्हें उपाय वाले दोहरी 25 विकास निकली की मांग करते हुए गौरी ने तय कर दिया था। पारंपरिक वात का काय था, चाहे तथा नील का था, चाहे तो नील का था और चाहे कोई दूसरी जगह थी। इस वात का काय था प्रथम वात के अनुभव विहार की लक्ष्य के लिए किया गया था क्योंकि इस सरकार के उपरान्त कार्य कराने वाले विकास, निकली के उपरान्त सरकार की अपनी धारणा थी। तब इसी वात के अर्थ में इसका कार्य किया गया था क्योंकि इसका कार्य किया गया था।
[पूरा राम विलास मार्ग] निवा जाता था वह बुधवार लड़की में 65 रुपए हेड्स सहा कर जो 50 रुपए कर दिया गया है। दोस्ती सहि लड़की में वह 40 रुपए कर दिया गया है। बोहिया सहि लड़की में 30 रुपए कर दिया गया है। उसे देखते है लड़की मार्ग निवा को देखने के लिए आता है। किसी उदाहरण में जो उससे सहि जोगी है जो उससे ममता है। उसको देखते हुए वह थान के पश्चिम 240 कर्मचार को दिखाते है और वह तकरी होते हैं कि इस मार्ग तक की इस वाष्प में सक्षम जो कोर्आनी है, भी उसने तक की सशक्त की जो वाष्प है। वह नहीं प्रशंसा करते हैं और उन्हें अपना स्वतंत्र प्रकट करते हैं। विभिन्न सामान्य, इस भाषा यह तथ्य के सामान्य सब लड़की नीचे ने कहा था कि उसके विवाह घोर का विवाह प्रदेश का जो प्रवीण है उसके लड़कों को विवाही वंशी नहीं मिलता है। उसका संज्ञान का प्रदेश के लड़कों को 24 ज्ञानी ज्ञानी देने का जो सप्ताह था उसके अधिक वर्ष के मानवीय स्वस्थ्य ने उस रूप में उत्पादन तत्त्व किए थे लेकिन यह प्रदेश के लड़कों को 24 वर्ष किसी देने का जाहीर अंदर देने नहीं है तो उसके सब बन गुरुलक्ष को आता है। गेंद का आभास, गेंद का आभास और बाराह ने काल एवं उपसागर करने लगे हैं कि जब यह सक्षम इस दस्तखत्ते के ही 24 वर्ष किसी उपयोग करा सकती है। विभिन्न सामान्य, इस अपसे सबके सम्मेलन में निश्चित बना था। भव्यताओं।

बी अन्तर्विक्ष बैठनी: अध्यक्ष भोजपुरी, अिम अपमान में स्वीकार करने के उपरोक्त का चरण चालू हो किया है हम किसानों को जो उनकी 50 रुपये प्रति चुनिंदा दे रहे हैं वह सहकार को 2.88 रुपये प्रति चुनिंदा होता है उनका संज्ञान को दिखाता प्रथम शेष करता पड़ता है। दूसरे में वह करना चाहता कि एकबार वे लड़कों की मूल लोक जो सहकार है वह किसानों के लिए वहुत अफवाह कर रहे हैं। इसके लिए वे अपने रुपये में जो कमिक लोकों को वह बारे में बदलाव कराता है कि उसके लागत प्रदेश की विभिन्न की 26 संवर्धन दे रहे हैं जो उनके अभिवादन भर्तियां में प्राचीन क्षेत्र की आत्मन 50 प्रदेश किसानों दे रहे हैं और उनें बाये में विभिन्न की फाइना और बाये के स्वास्थ्य में 50 प्रदेश में अस्थायी लड़की प्राचीन कंपनी दे रहे हैं। इसकी समीक्षा के लिए वे यह दास्तान दास्तान का फाइना वेंटा और जो अप बारे 1.25 तात्क दिखाने को फाइना वेंटे बाये में दूसरे किसानों की प्राप्ति कराता है।

बी सत्यानंद कांग्रेस: स्वीकार साहब, हमारे धिता पंजी ने राम विलास पंजी की विभिन्न क्षेत्रों में अत्यधिक हिंदू ने इंदिरा ने विभिन्न क्षेत्रों में अत्यधिक हिंदू ने दिखाया है और इंदिरा ने विभिन्न क्षेत्रों में अत्यधिक हिंदू ने दिखाया है। इसके लिए वे मोहिया जनता कुछ जो की जा सार्वजनिक विभिन्न करता है, स्वीकार वे क्षेत्रों के लागू राजनीति, विभिन्न क्षेत्रों में अन्य देश के साथ लड़की की नगरी ना है, वह अन्य क्षेत्रों के लागू हैं। इसके लिए हमारे धिता पंजी ने कहा जिनकी दास्तान करता है, हमारे क्षेत्रों के लागू राजनीति, विभिन्न क्षेत्रों में अन्य क्षेत्रों के लागू हैं। इसके लिए हमारे धिता पंजी ने कहा जिनकी दास्तान करता है, हमारे क्षेत्रों के लागू हैं। इसके लिए हमारे धिता पंजी ने कहा जिनकी दास्तान करता है, हमारे क्षेत्रों के लागू हैं।

बी अन्तर्विक्ष बैठनी: स्वीकार साहब, हमारे धिता पंजी ने राम विलास पंजी की विभिन्न क्षेत्रों में अत्यधिक हिंदू ने इंदिरा ने विभिन्न क्षेत्रों में अत्यधिक हिंदू ने दिखाया है और इंदिरा ने विभिन्न क्षेत्रों में अत्यधिक हिंदू ने दिखाया है।
Minister of State for Public Relations (Shri Attar Singh Saini): Sir, I beg to move—

That the proceedings on the items of business fixed for today be exempted at this day’s sitting from the provisions of the Rule 121, indefinitely.

Mr. Speaker: Motion moved—

That the proceedings on the items of business fixed for today be exempted at this day’s sitting from the provisions of the Rule 121, indefinitely.

Mr. Speaker: Question is—

That the proceedings on the items of business fixed for today be exempted at this day’s sitting from the provisions of the Rule 121, indefinitely.

The motion was carried.

Minister of State for Public Relations (Shri Attar Singh Saini): Sir, I beg to move—

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned sine-die.

Mr. Speaker: Motion moved—

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned sine-die.

Mr. Speaker: Question is—

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned sine-die.

The motion was carried.

Minister of State for Public Relations (Shri Attar Singh Saini): Sir, I beg to move—

That the provisions of Rules 231, 233, 235 and 270 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative
[Shri Atar Singh Saini]

Assembly in-so-far as they relate to the constitution of the—

(i) Committee on Public Accounts;
(ii) Committee on Estimates;
(iii) Committee on Public Undertakings; and
(iv) Committee on the Welfare of Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Backward Classes,

for the year 1999-2000 be suspended.

Sir, I also move—

That this House authorises the Speaker, Haryana Vidhan Sabha, to nominate the Members of the aforesaid Committees for the year 1999-2000, keeping in view the proportionate strength of various parties/groups in the House.

Mr. Speaker : Motion moved—

That the provisions of Rules 231, 233, 235 and 270 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly in-so-far as they relate to the constitution of the—

(i) Committee on Public Accounts;
(ii) Committee on Estimates;
(iii) Committee on Public Undertakings; and
(iv) Committee on the Welfare of Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Backward Classes,

for the year 1999-2000 be suspended.

And

That this House authorises the Speaker, Haryana Vidhan Sabha, to nominate the Members of the aforesaid Committees for the year 1999-2000, keeping in view the proportionate strength of various parties/groups in the House.

Mr. Speaker : Question is—

That the provisions of Rules 231, 233, 235 and 270 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly in-so-far as they relate to the constitution of the—

(i) Committee on Public Accounts;
(ii) Committee on Estimates;
(iii) Committee on Public Undertakings; and
(iv) Committee on the Welfare of Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Backward Classes.

for the year 1999-2000 be suspended.
And

That this House authorises the Speaker, Haryana Vidhan Sabha, to nominate the Members of the aforesaid Committees for the year 1999-2000, keeping in view the proportionate strength of various parties/groups in the House.

The motion was carried.

सदन की सेवा पर रखा गया कार्यपत्र

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now a Minister will lay the paper on the Table of the House.

Minister of State for Public Relations (Shri Attar Singh Saini): Sir, I have to lay on the Table of the House the Grant Utilization Certificate and Audit report for the year 1996-97 of the Chaudiary Charan Singh Haryana Agricultural University, Hisar as required under section 34(3) of the Haryana and Punjab Agricultural Universities Act, 1970.

समितियों की विभेदित प्रस्तुति करणा

(i) लोक सेवा समिति की 48वीं सिरियर का करणा

Mr. Speaker: Now Shri Sat Pal Sangwan, Chairperson of the Committee on Public Accounts will present the Forty Eighth Report of the Committee on Public Accounts for the year 1998-99, on the Report of the Comptroller and Auditor General of India for the year ended 31st March, 1994 (Remaining paragraphs) and 31st March, 1995 (Civil and Revenue Receipts).

Shri Sat Pal Sangwan (Chairperson of the Committee on Public Accounts): Sir, I have to present the Forty Eighth Report of the Committee on Public Accounts for the year 1998-99, on the Report of the Comptroller and Auditor General of India for the year ended 31st March, 1994 (Remaining paragraphs) and 31st March, 1995 (Civil and Revenue Receipts.)

(ii) अनुशीलित जातियों, जन-जातियों तथा हिंदू धर्म के कलाकार समिति की 24वीं सिरियर का करणा

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now shri Ramesh Kashyap, Chairperson of the Committee on the Welfare of Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Backward Classes will present the Twenty Fourth Report of the Committee on the Welfare of Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Backward Classes for the year 1998-99.

श्री रामेश काश्यप (चेतनपत्र, अनुशीलित जातियों, जन-जातियों तथा हिंदू धर्म के कलाकार के लिए समिति) — अध्यक्ष मनोदय, में कवि 1998-99 के लिए अनुशीलित जातियों, जन-जातियों तथा हिंदू धर्म के कलाकार के लिए समिति की 24वीं सिरियर प्रस्तुत करता हूँ।
(iii) अधिनियम विचार समिति की 30वीं रिपोर्ट पेश करना

Mr. Speaker: Now Shri Kapoor Chad Sharma, Chairperson, Committee on Subordinate Legislation will present the Thirtieth Report of the Committee on Subordinate Legislation for the year 1998-99.

श्री कपूर चद शर्मा (सहायक पर अधिनियम विचार समिति) : अधिनियम कोषद, ने वर्ष 1998-99 के लिए दस्ते और नोटिफिकेटर लेखनालय की 30वीं रिपोर्ट सादर प्रस्तुत करता है।

(iv) संसदीय अधिनियम समिति की 30वीं रिपोर्ट पेश करना

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now Shri Somvir Singh, a member of the Committee on Government Assurances will present the Thirtieth Report of the Committee on Government Assurances for the year 1998-99.

Shri Somvir Singh (A member of the Committee on Government Assurances): Sir, I beg to present the Thirtieth report of the Committee on Government Assurances for the year 1998-99.

बिना—

1. दर्शाया विचारण (हो 1 विचारण, 1999

Mr. Speaker: Now, the Finance Minister will introduce the Haryana Appropriation (No. 1) Bill, 1999 and will also move the motion for its consideration.

Finance Minister (Shri Charan Dass): Sir, I beg to introduce the Haryana Appropriation (No. 1) Bill, 1999.

Sir, I also beg to move—

That the Haryana Appropriation (No. 1) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Motion moved—

That the Haryana Appropriation (No. 1) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Question is—

That the Haryana Appropriation (No. 1) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2

Mr. Speaker: Question is—

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.
Clause 3

Mr. Speaker: Question is—
That Clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Schedule

Mr. Speaker: Question is—
That Schedule be the Schedule of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker: Question is—
That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is—
That Enacting Formula be the Enacting formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is—
That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Finance Minister will move that the Bill be passed.

Finance Minister (Shri Charan Dass): Sir, I beg to move—
That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved—
That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is—
That the Bill be passed.

The motion was carried.

2. हरियाणा विनियोग (२०) विलेयर, 1999

Mr. Speaker: Now, the Finance Minister will introduce the Haryana Appropriation (No. 2) Bill, 1999 and he will also move the motion for its consideration.
Finance Minister (Shri Charan Dass) : Sir I beg to introduce the Haryana Appropriation (No. 2) Bill, 1999.

Sir, I also beg to move—

That the Haryana Appropriation (No. 2) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Motion moved.

That the Haryana Appropriation (No. 2) Bill be taken into consideration at once.

भूमि मंत्री (श्री चरण दास) : अर्थव्यवस्था मंत्री, पूरे दिन पर बैठे कहने में आया तब आया जब आपनें नामें पढ़ गए होते। हालांकि वे दिनों के 5 शादियों को ही सीधे किया था और आपने 26 शादि तो पढ़ने पर अपनी बात का कारण लगा थे। अर्थव्यवस्था मंत्री, 3 दिनों के भीतर बनाए काफी लगाते, कौन सा वर्ग लिया और कौन सा वर्ग लिया निवास का अनुभव में आते हैं, शायद लगाते हैं और तभी लगाते हैं। नाम का उपन्यास काव्य किया हुआ है और दृश्य, स्वाक्षर के लिए हालिया बीमारों आते हैं।

अर्थव्यवस्था मंत्री, जी और उनका बीमारी ने एक झंडा नेट में जी बात करने में उनका शाब्दिक है तो यह आम तौर पर है। उन्होंने एक बात थी जि कि इस बात का कारण पूर्वस्तव की दिशा में दिखाया गया था कि यह शावक निम्नलिखित है दिनों के परिवर्तन के लिए कारण बनाने वाला है और नहीं निम्नलिखित है। अर्थव्यवस्था मंत्री, क्योंकि दिनों ने शाब्दिक ने गुरुवार व गुरुवार के समय से लेकर उन्होंने पढ़ने वाले जी बात अकाउंट पत्र किया और दिनों में जुलूस में वक्त पढ़ा किया। उस समय हमें भारत सरकार के शासन की दिशा में हा एक बात का कारण बनाने वाला है।

उस समय भारत सरकार के बीमारी ने हा एक बात का कारण बनाने वाला है।

इसी तरह के कई दाँत रामा और नाम। इसलिए इस तरह से कई बातें बताना तो आप से।

वह शाब्दिक निम्नलिखित के साथ दाँत वाली तिथियाँ भी है जो आता है तो उसके बाद पी चाहा चला करता तरह है अनुसार राज्य की दिशा में हा एक बात का कारण बनाने वाला है।

इस लागत के बाद श्री चरण दास के अनुसार राज्य की दिशा में हा एक बात का कारण बनाने वाला है।

इस लागत के बाद श्री चरण दास के अनुसार राज्य की दिशा में हा एक बात का कारण बनाने वाला है।

इसे तथा सबसे बड़ा कारण यह है कि इस वात का मान बात जैसे 1998-99 को 2260 करोड़ रुपये से दस्तक 1800 करोड़ रुपये तक पड़ा है और अब तक उनका घटक 1800 करोड़ रुपये से 1400 करोड़ रुपये तक गिर गया है।

इसके अनुसार राज्य के अनुसार राज्य की दिशा में हा एक बात का कारण बनाने वाला है।

इसके अनुसार राज्य की दिशा में हा एक बात का कारण बनाने वाला है।

इसके अनुसार राज्य की दिशा में हा एक बात का कारण बनाने वाला है।

इसके अनुसार राज्य की दिशा में हा एक बात का कारण बनाने वाला है।

इसके अनुसार राज्य की दिशा में हा एक बात का कारण बनाने वाला है।

इसके अनुसार राज्य की दिशा में हा एक बात का कारण बनाने वाला है।

इसके अनुसार राज्य की दिशा में हा एक बात का कारण बनाने वाला है।

इसके अनुसार राज्य की दिशा में हा एक बात का कारण बनाने वाला है।

इसके अनुसार राज्य की दिशा में हा एक बात का कारण बनाने वाला है।

इसके अनुसार राज्य की दिशा में हा एक बात का कारण बनाने वाला है।

इसके अनुसार राज्य की दिशा में हा एक बात का कारण बनाने वाला है।

इसके अनुसार राज्य की दिशा में हा एक बात का कारण बनाने वाला है।

इसके अनुसार राज्य की दिशा में हा एक बात का कारण बनाने वाला है।

इसके अनुसार राज्य की दिशा में हा एक बात का कारण बनाने वाला है।

इसके अनुसार राज्य की दिशा में हा एक बात का कारण बनाने वाला है।

इसके अनुसार राज्य की दिशा में हा एक बात का कारण बनाने वाला है।

इसके अनुसार राज्य की दिशा में हा एक बात का कारण बनाने वाला है।

इसके अनुसार राज्य की दिशा में हा एक बात का कारण बनाने वाला है।

इसके अनुसार राज्य की दिशा में हा एक बात का कारण बनाने वाला है।

इसके अनुसार राज्य की दिशा में हा एक बात का कारण बनाने वाला है।

इसके अनुसार राज्य की दिशा में हा एक बात का कारण बनाने वाला है।

�
agricultural production in the State decreased by 8.4% in which the reduction in the production of commercial crops of cotton, sugarcane and oil seeds was to the tune of 25.1, 16.3 and 58.1% respectively.

According to the State's report, in the year 1997-98, the production of commercial crops decreased by 8.4%. This decrease was observed in cotton, sugarcane, and oil seeds, with a reduction of 25.1%, 16.3%, and 58.1%, respectively.

Per Capita Income has declined by Rs. 28 from Rs. 4025/- to Rs. 3997/- and the gross domestic product has shown an all-time low increase of merely 1.1 per cent between 1997 and 1998.

Speaker Sir, in this connection, I would like to explain in detail. The Per capita income at constant prices (1980-81) which was Rs. 3679/- in 1995-96 has increased to Rs. 3997/- in 1997-98, recording an increase of 6.6 per cent. The statement that the gross state domestic product between 1997 and 1998 has shown an all time low increase of 1.1% is not correct. The all time low growth of— 0.08 per cent in gross state domestic product was recorded in 1987-88 during the regime of Ch. Devi Lal. Further, the state domestic product indicated a growth of only 0.2 per cent in 1992-93 during the regime of Ch. Bhajan Lal. It is informed that the State domestic product has increased from Rs. 745 crores in 1995-96 to Rs. 8381 crores in 1997-98, indicating a growth of 12.4 per cent.

The Tax receipt projections are unrealistic and have shown a tendency of declining upto December, 1998 and there is rampant corruption prevalent in the State. According to the report, the rapid decline in production and income indicates the need for stringent measures to address the situation. The State needs to focus on improving the agricultural sector to boost its economy.
[मैं देवी लाल] शैक्षणिक कार लगाया है। सबसे बड़ी तकनीकी उपलब्धि बहावू के बीच के बीच है। इसलिए मैंने अध्याय महोण, अपने बाद होगा कि ये दाह करते थे कि विज्ञान का टेकए 66% न्यूयॉर्क और डिस्ट्रीक्ट हो जाएगा, तो कहा कि यह संस्कृति प्रत्येक के लोगों को 24 घंटे विज्ञान नहीं है सकती, किसी ने नहीं। अध्याय महोण, जब इसी साल 30 जून से हरियाणा प्रशासन के लोगों को 24 घंटे विज्ञान देना। (इस समय बाहर भ्रमण नहीं) थी, जब संस्कृति ने कहा कि The generation of electricity fell by 346 million units in the previous year in spite of an increase in the generating capacity.

अध्याय महोण, जब चीनी ओपोवर चीनाना जो पुरानी मंदी थे तो उन समय विज्ञान की कार्यशाला 863 मील राजस्थान आया, और उन्होंने विज्ञान का सर्वेक्षण 232.5 मिलियन फूडन्ट पिया और 1990-91 में जब उन्होंने की सरकार थी। तो उस समय विज्ञान का सर्वेक्षण 2343 मिलियन फूडन्ट हुआ था। 7.2 परिस्थितियों का सर्वेक्षण कर दिया गया। ग्राहक 1993-96 में चीनी चीन की सरकार जो विज्ञान का सर्वेक्षण था यह नेटवर्क 3300 मिलियन फूडन्ट का था। जिस दिन से खाद्य पदार्थ विकास पदार्थ और हरियाणा विकास पदार्थ की गठबंधन संबंध 1996-97 में शुरू और उस दिन से चीनाना और बाहर से संबंध जी की सरकार के मुकाबले में तो बहुत ज्यादा विज्ञान का सर्वेक्षण हुआ है। बाहर से भारत आया नी की सरकार के बजार 1995-96 में विज्ञान का सर्वेक्षण 3300 मिलियन फूडन्ट था और उसने अहिले ही एक साल में 3671 मिलियन फूडन्ट जनरेशन का दिया था। 11.23 परिस्थिति और 1997-98 में इस नेटवर्क के सर्वेक्षण का बढ़ाकर 3757 मिलियन फूडन्ट नियम धारा और इस साल जनरेशन था 3139 मिलियन फूडन्ट और 31 मार्च 1999 तक 3830 मिलियन फूडन्ट विज्ञान का सर्वेक्षण करने का दिया गया है। इसके बाद यह लॉन्च केंद्र परिस्थितियों में सार्वजनिक 49.6 प्रतिशत व्यापा है जिसमें लॉन्च चीन की सरकार के साथ 1997 में 44 प्रतिशत था और उनके प्रवर्तक अन्य के एक साल बाद 34 प्रतिशत से गया। बाहर से संगत जो नी की सरकार में चीन लॉन्च पैकेज 43 प्रतिशत बने गए। जब वजन भारतीय मंदिर गांधी और हरियाणा विकास पदार्थ गठबंधन की संभावना 1996-97 में नूतन और आई तो यह 48 प्रतिशत गया और 1997-98 में 49 प्रतिशत और 1998-99 में 49.6 प्रतिशत बने गए। इसके अलावा और रूपक नकारात्मक का रूप नहीं है। डिस्ट्रीक्ट के पायलट की विज्ञान सर्क्सिट का ही रिकार्ड नहीं तोड़ा। इस प्रकार और वित्त निरीक्षण लगाया जाने का नीति उन्हीं की सरकार थी कि जनरेशन 7.2 प्रतिशत डायर्न हुआ था और 1990-91 के मुकाबले 1996 में 56 प्रतिशत जनरेशन विज्ञान देना कर पड़े हैं और 1997-98 में 1990-91 के मुकाबले 60.5 प्रतिशत विज्ञान, ज्यादा पेड़ की है। अध्याय महोण, 1990-91 में चीन समिति पैकेज 34 परिस्थिति था और जन उनके मुकाबले यह हमें बहुत अधिक है और we are much higher than that. They have said that the per M.W. generation of installed capacity fell by 5.66 in the same year. Mr. Speaker Sir, the per M.W. generation of Panipat, Faridabad and Yamunanagar generation projects has increased, not gone down. जैसा मे अस्पष्ट कहा कि पहले नव जीवन का सरकार 1989-90 में यह लॉन्च की पेड़वर 2.71 मिलियन फूडन्ट थी, 1995-96 में चीनी भारत भारत नी की सरकार थी जनरेशन के साथ में विज्ञान की पेड़वर 3.82 मिलियन फूडन्ट थी जलाना भारतीय जनरेशन पदार्थ और हरियाणा विकास पदार्थ गठबंधन की संभावना के जनरेशन के 1996 में 4.25 मिलियन पैकेज की पेड़वर है। 1997-98 में विज्ञान की पेड़वर 4.35 मिलियन फूडन्ट थी और इस साल के लायक को 4.5 मिलियन फूडन्ट कर पड़े। जब तो लाईन की पुरानों के बुधवार से हर विज्ञान में ज्यादा विज्ञान पेड़वर बढ़ रहे हैं। निरीक्षण वित्त के प्रबंधन के ही लेख के
अध्याय महोदय, उक्तें बायाँवाली श्री ओम प्रप्तम चौधरी जी ने कहा कि बिजली की प्रशंसा प्रति व्यवस्था नहीं होगी। अध्याय महोदय, में सरकार की शासन का नवनाम हुदूद की बाल्कियों की नहीं होगी। बिजली में यह प्रशंसा के लक्ष्य के साथ साथ हो गई और राजनीति सरकार आपके बीच यह खाली 462 बिजली की खाता 289 बिजली 311 बिजली हो गई। चीनी में लाल जो सयं ती यह प्रशंसा बिजली की सरकार 458 बिजली घट गई और राजनीति सरकार आपके बीच यह खाली 462 बिजली की बिजली में यह प्रशंसा 438 बिजली घट गई। इस साल यह खाली प्रति व्यवस्था 465 बिजली एरिस्टेटेढ जो कि ‘आधुनिक इंडिया’ है। अध्याय महोदय, विभिन्न सरकारों के नवनाम हुदूद में बिजली की उत्पादन का नहीं

इस सा वही बोल जिभ है तथा 371 lacre per month as compared to 348 lacre unit in the previous year. And the estimated per capital consumption of electricity this year is 465 unit. यह पी लाई अथुर श्री विक्रम तेलहूड है। अध्याय महोदय, नव 1967-68 में भार रोडवर्त्तस लाए थे तो उसमें वह बिजली की प्रति व्यवस्था बिजली में 57 बिजली जो कि आधुनिक व्यवस्था 465 बिजली घट गई और नव ह्र 24 फिड़े बिजली जो शुद्ध बाल के तक पर खाली और अधिक बाल का नहीं। 

श्री ओम प्रप्तम चौधरी जी ने कहा कि द्वारकेंद्र-केंद्रक के इसे सरकार से 2.69 प्रशंसा कर दिया है। अध्याय महोदय, में नवनाम बताये कि जो व्यवस्था अध्याय खराब करता है और उसका फिट इंडिया कर दिया है तो उसका केंद्रक तो उस कार्य के तथा घर हो जाता, जिसकी सरकारों ने बुखार भी एवे केंद्रक कर दिये हैं। 1987-88 में विवेक की राजनीति के समय द्वारकेंद्र के 1372 केंद्रक कर दिये गए, 1988-89 में विवेक की दूसरी सरकार के समय द्वारकेंद्र के 908 केंद्रक कर दिये गए तथा 1989-90 में विवेक की सरकार के समय में 645 द्वारकेंद्र केंद्रक कर दिये गए। इसीलिए, राजनीति राजनीति यह कोई भी बाल नहीं बाल रहती है। जो बी भी व्यवस्था बिजली खराब करता तथा अधिक बाल नहीं करता। उक्त द्वारकेंद्र का केंद्रक तो हम करते हैं। श्री ओम प्रप्तम चौधरी ने कहा all the projections in the Budget are a figment of imagination of unsuccessful Government.
[मी बंडी लल]
अश्वम गोरख, 30 जून, 1999 तक हमारे पास 377 बेगाबाड बिजली आ जाती थी। अश्वम गोरख, में आपको बताया था कि 143-143 बेगाबाड के 2 बूटिंग पारिवार में लगे से होने 76 तालाद बूटिंग बिजली मिलता है। जबकि इसमें जालम जिसके 40-42 लाख बूटिंग की है, ज्यादा से ज्यादा 45 लाख बूटिंग की होती है। इसके बाद पार्वती, 2000 तक 622 बेगाबाड तथा बिजली, 2000 तक 268 बेगाबाड बिजली आ जाती थी। अश्वम गोरख, वह बिजली कहीं से आती है यह बात थी में में आपको बताया था कि 20 बेगाबाड बिजली बालातिर व्यापार में मिलती है, 25 बेगाबाड बिजली सिक्किया सिक्किया यह भी बताया था कि वह बिजली में भी होता है।
अश्वम गोरख, इसके अतिरिक्त लाख जो मोहिमियों वह है एन-3000-तीती-बो- पारिवार की बूटिंग-1 और बूटिंग-2, 143-143 बेगाबाड जुड़के तक चलता है जाती है। इस तरह से हमें टेलिक 58 लाख बूटिंग बिजली और बिजली तथा वह भी बिजली को जाता है 42 लाख या 45 लाख बूटिंग की है।
इसके अतिरिक्त भारत में 4 पुतले लाख पानी पानी की रिसर्स इंडिया हो रहा है उसे हमें 68 बेगाबाड बिजली मिलने लगे है और 14 लाख बूटिंग बिजली पानी में एन-3000-तीती-बो- पारिवार की फैलाई है इस वात पानी है। अश्वम गोरख, उदाहरण के लिए पानी पानी के एन-3000-तीती-बो- के दो-पार्वती यह जिसे हमें 23 बेगाबाड बिजली मिलती है, 5 लाख बूटिंग बालातिर जा जाता है।
इस तरह से 377 बेगाबाड बालातिर 76 लाख बूटिंग वजयलाल होता था निकले लगे है।
अश्वम गोरख, जब हमारे पास 76 लाख बूटिंग बिजली होती थी हमारे पास 20-30 लाख बूटिंग बिजली स्थल नहीं होता और हमारे बात-बातचीत, 2000 तक भारत के पानी पानी बेदक थे, और पानी भी बन जाती थी। इसकी केबरी आय 136-136 बेगाबाड को सहर होती, निकले हमें 28 लाख बूटिंग बिजली मिलती है।
इसके अतिरिक्त मानविक उपदेश पानी पानी-6 है जो 210 बेगाबाड का करोड़ भी हमें 42 लाख बूटिंग बिजली मिलती है। अर्थात बालातिर, बिजली सिक्किया 100 बेगाबाड का है उसमें 20 लाख बूटिंग बिजली मिलती है और एन-3000-तीती-बो- पारिवार की बूटिंग-3 जो 146 बेगाबाड का है उसमें भी 29 लाख बूटिंग बिजली मिलते लगे है।
इसके अतिरिक्त मामला यह कि भारत में है कि भारत में है उसमें हमें 622 बेगाबाड बिजली मिलते लगे है। अश्वम गोरख, इस तरह से 1.25 करोड़ बीमार बि शारीर पानी हो जाती है और हमारे पास बिजली की कमी नहीं रहती है। हमारे पास तो सरकार बिजली बहुत है।
अश्वम गोरख, इसके अतिरिक्त विशेषत, 2000 तक पारिवार बालातिर पानी बालातिर की बूटिंग चार और हमें 68 बेगाबाड बालातिर 14 लाख बूटिंग बिजली मिलने लगी और बिजली सिक्किया पानी पानी जो 200 बेगाबाड का है 250 बेगाबाड बालातिर 268 बेगाबाड बिजली मिलती है। अश्वम गोरख, इसके बाद आया एक हड़ताल में युवजन या 500 बेगाबाड के बालातिर बालातिर के लिए पार्वती बूटिंग बालातिर जा रहे है और उसे तय करते है कि वह एंड बालातिर और बालातिर बालातिर फैलना तक है जाती और इस फैलने का कम्युनिटी करना है।
इस तरह से हमें शास्त्री है 3-4 बालातिर के अंदर 500 बेगाबाड बिजली मिलते लगी है।
इसके अतिरिक्त पहले हमें 500 बेगाबाड के बालातिर बालातिर के लिए बालातिर बूटिंग बालातिर बालातिर बालातिर की है।
इसके अतिरिक्त पहले हमें 500 बेगाबाड के बालातिर बालातिर के लिए बालातिर बूटिंग बालातिर की है।
तो वे किसी और कसे, जब निंद नया संघर्ष होते हैं तो वे सामने पीरे-पीरे करते लगे कि चीजी का नया संघर्ष कि नया एक नया के अन्तर-अन्तर 24 घंटे दिनहीं हो जाती तो वे उसमें कहा कि ताकि हम एक सत्य से ज्ञात है, हम यह एक सत्य के लिए यह प्रयास में है और 24 घंटे दिनहीं हो जाती है। (इस समय भोजन भी चाहिए दिखाई दे।)

इस पर उन्होंने ग्रंथ के रूप में कहा कि नया सत्य के ज्ञान का काम करने? वे कहा कि ज्ञान ने चला है और उसे दिन, यह नया सत्य ने वह ज्ञान का ज्ञान करने है। इसके अलावा अन्य अन्य दृष्टिकोण, जिनके 24-25 नव संवर्तक वाले हैं और तकरार तत्त्व 94 सत्य-संकेतों की हमें दिखाये गए हैं और 25 दृष्टिकोण दिखाये हैं। इसके अलावा नया सत्य ने दिखाये सह-संबंध भी चलाये जा रहे हैं और उनके साथ अन्य दिखाये हैं। इसके साथ-साथ 16000 दिखाये हैं जिनकी किसी भी नई संघर्ष गधाएँ जा रहे हैं और वही लाइबरे की विज्ञानी लेफ्ट 16000 दिखाये हैं नया संबंध 11 के-रूप है। इसकी किसी नई संघर्ष निकाली जा रहे हैं। और बड़ी लाइबरे की विज्ञानी लेफ्ट 16000 दिखाये हैं नया संबंध 11 के-रूपकी की जीवनी की हिस्ट्रीयूम के लिए चित्रकृत हो रहे हैं। अन्यथा जवाब, हिस्ट्रीयूम के लिए विज्ञानी चित्रकृत की चार कंपनियों की गरी। जनको, जो दृष्टिकोण ने दो कंपनियों की हमें दिखाये वह नई है और हिस्ट्रीयूम की बोल के और कंपनियों बनाये और तीन दिखाये हैं कि 15 दिन के अन्तर घर वाला व यूरोप एक गधाये के अन्तर कंपनियों का निंदी। जनको कंपनी 100% हिस्ट्रीयूम कंपनी की होती है और इसकी कंपनी भी 100% हिस्ट्रीयूम कंपनी की होती है। हिस्ट्रीयूम के मालिकों में हिस्ट्रीयूम कंपनी का दो हिसाब से चार कंपनियों को हिसाब से चार कंपनियों कंपनियों में है एक कंपनी हिस्ट्रीयूम कंपनी की होती है और एक कंपनी के बारे में विज्ञानी प्रापक कंपनी की उदारत करने और उनमें 51% शेयर इस प्रापक कंपनी के होने तथा उनके शेयर चार लाख के होने। इस प्रापक कंपनी के द्वारा समर्थन प्राप्त करने के समय के अंतर्क्षेत्रों को बहुत जानकार होगा। अवधार न्याय, विज्ञान के मालिक ज्ञान साधन करने हैं कि: यह दर्शन से हायर स्कूल विज्ञान का रोल दिखाये। लेकिन जब तीन नव दिखाये हैं कि हमारे हो लाइबरे वे तो नया हो नया भी न बने। ज्ञान ने चलाया बताया हो से किसी की जीवनी की किताब करने लाभ नहीं होता। चार ने हिस्ट्रीयूम की जीवनी का बहुत ज्ञान की है, और वहाँ की किसी बारे में दिखाये गई है। अन्यथा गहरा, जब दृष्टिकोण की जीवनी पर स्कूलों के बयान कर यहा आता है। इसके रंग 1996-97 में जिनको की किताब पर स्कूली 747 करोड़ 37 लाख रुपये है, या 1997-98 में जिनको की टूपिया के निम्न लिखित रूप से लिखा है के रंग 1998-99 में 31 लाख रुपये की लाइसेंस है और जब 1999-2000 में 880 करोड़ 47 लाख है। इसके अलावा अन्य दृष्टिकोण का बराबर अधिक होते हैं प्लेट कर रहे हैं इसका समय 1999-2000 के लिए हम किसी भी दिखाये गई है। इसके अलावा जब ये देखा तो बताये नया नया भी न बने। ज्ञान ने चलाया बताया हो से किसी की जीवनी की किताब करने लायक हो जाता। चार ने हिस्ट्रीयूम की जीवनी का बहुत ज्ञान की है, और वहां की किसी बारे में दिखाये गई है। अन्यथा गहरा, जब दृष्टिकोण की जीवनी पर स्कूलों के बयान कर यहा आता है।
Mr. Speaker: Question is—

That the Haryana Appropriation (No. 2) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2

Mr. Speaker: Question is—

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 3

Mr. Speaker: Question is—

That Clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Schedule

Mr. Speaker: Question is—

That Schedule be the Schedule of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker: Question is—

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.
Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is—
That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is—
That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Finance Minister will move that the Bill be passed.

Finance Minister (Shri Charan Dass): Sir, I beg to move—
That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved—
That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is—
That the Bill be passed.

The motion was carried.

3. हरियाणा विलयन तथा (बस्तन विभिन्न निर्मितियों) संयोजन समिति, 1999

Mr. Speaker: Now a Minister will introduce the Haryana Legislative Assembly (Medical Facilities to Members) Amendment Bill, 1999 and he will also move the motion for its consideration.

Minister of State for Public Relations (Shri Attar Singh Saini): Sir, I beg to introduce the Haryana Legislative Assembly (Medical Facilities to Members) Amendment Bill, 1999.

Sir, I also beg to move—
That the Haryana Legislative Assembly (Medical Facilities to Members) Amendment Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Motion moved—
That the Haryana Legislative Assembly (Medical Facilities to Members) Amendment Bill be taken into consideration at once.

शिक्षा मंत्री (श्री राम किशोर शर्मा): अन्यथा बाध्य, पहले हमारे जो इस सत्तात के मानवीय सदरम रह जुके हैं वे यदि जानें कि जनरलिंग के प्रतिरोध बन लेते हैं तो उनके प्रतिकूल की मुक्तियाँ नहीं मिल पाती थीं। अब इस संजीवन के माध्यम से ते सभी पूर्व मानवीय तरस्त में से भी ऐसे मुक्तियों
Mr. Speaker: Question is—
That the Haryana Legislative Assembly (Medical Facilities to Members) Amendment Bill be taken into consideration.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2

Mr. Speaker: Question is—
That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 3

Mr. Speaker: Question is—
That Clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker: Question is—
That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is—
That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is—
That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now the Minister for Parliamentary Affairs will move that the Bill be passed.

Minister of State for Public Relations (Shri Attar Singh Saini): Sir, I beg to move—

That the Bill be passed.
Mr. Speaker: Motion moved—
That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is—
That the Bill be passed.

The motion was carried.

4. हरियाणा विधान सभा (सर्व भाग तथा पैसन) संशोधन विधेयक, 1999

Mr. Speaker: Now a Minister will introduce the Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Amendment Bill, 1999 and he will also move the motion for its consideration.

Minister of State for Public Relations (Shri Attar Singh Saini): Sir, I beg to introduce the Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Amendment Bill, 1999.

Sir, I also beg to move—
That the Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Amendment Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Motion moved—
That the Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Amendment Bill be taken into consideration at once.

विधायिका (भी एम विलास शर्मा): अभ्यक्त नस्लवार, इसलिए पहले पूर्व विधायिकाओं को विविधता देने संबंधी विल में संशोधन करने वाला विल था। इस विल में जो हमारे पूर्व विधायक में हमारे जो पैसा ही जाता है उस पर ढीवरूप संबंधी संशोधन है। अब ते पूर्व विधायिका का पैसा पर ढीवरूप नहीं भिड़ा है। यह यह प्रायोगिक में ढीवरूप की सुविधा सभी वर्ग के कर्मचारियों को उपलब्ध है। इसी पूर्व सदस्यों की सुविधा के लिए पैसा में ढीवरूप जुड़ा निश्चय अनुपात में चाही के अंश के कर्मचारियों के वेतन में ढीवरूप जुड़ा है इसी अनुपात में पूर्व सदस्यों की पैसा में भी यह इस्तेमाल हो। इसलिए यह संशोधन पूर्व सदस्यों की पैसा में सुविधा के लिए साबित गया है।

Mr. Speaker: Question is—
That the Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Amendment Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2

Mr. Speaker: Question is—
That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.
Clause 3

Mr. Speaker: Question is—
That Clause 3 stand part of the Bill.

*The motion was carried.*

Clause 1

Mr. Speaker: Question is—
That Clause 1 stand part of the Bill.

*The motion was carried.*

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is—
That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

*The motion was carried.*

Title

Mr. Speaker: Question is—
That Title be the Title of the Bill.

*The motion was carried.*

Mr. Speaker: Now the Minister of State for Parliamentary Affairs will move that the Bill be passed.

Minister of State for Public Relations (Shri Attar Singh Saini): Sir, I beg to move—

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved—

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is—

That the Bill be passed.

*The motion was carried.*

5. दर्शियण प्राइवेट महाविद्यालय (प्रबन्ध उद्योग) अंशीकन विधेयक, 1999

Mr. Speaker: Now, the Minister of State for Parliamentary Affairs will introduce the Haryana Private Colleges (Taking over of Management) Amendment Bill, 1999 and he will also move the motion for its consideration.

Minister of State for Public Relations (Shri Attar Singh Saini): Sir, I introduce the Haryana Private Colleges (Taking over of Management) Amendment Bill, 1999.
Sir, I also beg to move—

That the Haryana Private Colleges (Taking over of Management) Amendment Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Motion moved—

That the Haryana Private Colleges (Taking over of Management) Amendment Bill be taken into consideration at once.

अब स्थिति (भागन एवं स्थिति) मन्त्री (डीजी कर्नल डा सरला) : स्थायी तत्त्व, जिसे वह निश्चित और वह निश्चय नहीं आस्था पारित किया है यह स्थायी नियुक्ति है, यह स्थायी नियुक्ति है। स्थायी सर, अच्छा जानना है कि आज पूरा अंग्रेज़ के अन्दर कई ऐसे शिक्षासमिति बनाए जा रहे हैं जिनके पास न तुरंत भरना होता है और न बच्चों की पढ़ाई के लिए चोरी राह खोल होता है। इसे देखते हैं कि पहले हमारे प्रदेश के अंदर हम निर्माण कोष रूप से या उच्चशिक्षा के क्षेत्र में हमें उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विशुद्धिता दिखाने वाले बच्चों का एक अस्तास्त रहने में बाह्य विकास दुनिया करता था। लेकिन आज हम देखते हैं कि चोरों-चोरों निर्माण और काश्मीर में भी हमें उपरोक्त बच्चों को नल देना है। इसी प्रकार हमें भी पूरी सरकारी बैठक में ग्राहक मैं नैनपुर के नाम पर कई ऐसी संस्थाएँ सुन रही हैं जिससे शिक्षा के क्षेत्र में अपनी किसी स्थिति में नहीं आती। स्थायी सर, अच्छा जिसे वह विश्व समाज के पास प्राप्त किया गया है उसके लिए वे उत्तमपन्थियों के भाग्य अपनी लायक होने जी की युक्तिकल्पना देता हूँ कि इस विश्व के पास की बच्चों ने शिक्षा के क्षेत्र में जुड़ा हो। अब कई तरह की ग्राहक कर्मचारी प्रदेश के अन्दर कई नीतियाँ बनाने चाहते हैं लेकिन किसी भी सिद्धांत पर फंस नहीं रहता है। वह जिसे वह आज सरने में लाया गया है उसके माध्यम से हमारी संस्कृति के तरंग में तुम्हारा आगमन और वह जिसे ग्राहक बनाए अन्मान-ग्रहण तरीफ़ के सेवनों का साधन करते हैं उन पर रोक लोगी। समय वाद।

Mr. Speaker : Question is—

That the Haryana Private Colleges (Taking over of Management) Amendment Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 3

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 4

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 4 stand part of the Bill.

The motion was carried.
Clause 5

Mr. Speaker : Question is—
That Clause 5 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 6

Mr. Speaker : Question is—
That Clause 6 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker : Question is—
That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker : Question is—
That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker : Question is—
That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now the Minister of State for Parliamentary Affairs will move that the Bill be passed.

Minister of State for Public Relations (Shri Attar Singh Saini) : Sir, I beg to move—

That the Bill be passed.

Mr. Speaker : Motion moved—
That the Bill be passed.

Mr. Speaker : Question is—
That the Bill be passed.

The motion was carried.


6. हरियाणा नगरपालिका (संशोधन) विधेयक, 1999

Mr. Speaker : Now, a Minister will introduce the Haryana Municipal (Amendment) Bill, 1999 and he will also move the motion for its consideration.
स्वायत्त शासन मंडल (शासक बल) : अध्यक्ष महोदय, मे हरियाणा स्वायत्त शासन कांग्रेस (मुनिसिपल) विधेयक, 1999 प्रकाशित करवाएं। अध्यक्ष महोदय, मैं इस विषय के बारे में लेख को देखता रहा कि यह अधिनियम बनाया गया था या नहीं, हरियाणा मुनिसिपलेशन एक्ट 1973 को बनाया था। इसके पश्चात 1911 में पंजाब मुनिसिपल एक्ट व या जिसके तहत सरकार का काम किया गया था। 1952 में पंजाब प्रांत पंचायत एक्ट व जाना गया, 1954 में पंजाब विधेयक कांग्रेस लेख एक्ट कानून में जिसमें गोपनियता में जो शासन अधिकारधारी की यह पंचायतें के अधिकार में आ गईं। 1954 के बाद विधेयक में उम्मीद थी कि हरियाणा की सीमा बढ़ी जाएँ तो उम्मीद थी कि हरियाणा की सीमा बढ़ी जाएँ तो उम्मीद थी कि हरियाणा की सीमा बढ़ी जाएँ तो उम्मीद थी कि हरियाणा की सीमा बढ़ी जाएँ तो उम्मीद थी कि हरियाणा की सीमा बढ़ी जाएँ तो उम्मीद थी कि हरियाणा की सीमा बढ़ी जाएँ तो उम्मीद थी कि हरियाणा की सीमा बढ़ी जाएँ तो उम्मीद थी कि हरियाणा की सीमा बढ़ी जाएँ तो उम्मीद थी कि हरियाणा की सीमा बढ़ी जाएँ तो उम्मीद थी कि हरियाणा की सीमा बढ़ी जाएँ तो उम्मीद थी कि हरियाणा की सीमा बढ़ी जाएँ तो उम्मीद थी कि हरियाणा की सीमा बढ़ी जाएँ तो उम्मीद थी कि हरियाणा की सीमा बढ़ी जाएँ तो उम्मीद थी कि हरियाणा की सीमा बढ़ी जाएँ तो उम्मीद थी कि हरियाणा की सीमा बढ़ी जाएँ तो उम्मीद थी कि हरियाणा की सीमा बढ़ी जाएँ तो उम्मीद थी कि हरियाणा की सीमा बढ़ी जाएँ तो उम्मीद थी कि हरियाणा की सीमा बढ़ी जाएँ तो उम्मीद थी कि हरियाणा की सीमा बढ़ी जाएँ तो उम्मीद थी कि हरियाणा की सीमा बढ़ी जाएँ तो उम्मीद थी कि हरियाणा की सीमा बढ़ी जाएँ

मैं प्रताप करता हूँ—

कि हरियाणा मुनिसिपालिका (मुनिसिपल) विधेयक पर गुरुवार विचार किया जाए गया।

Mr. Speaker : Motion moved—

That the Haryana Municipal (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Question is—

That the Haryana Municipal (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.
Clause 3

Mr. Speaker : Question is—
That Clause 3 stand part of the Bill.
The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker : Question is—
That Clause 1 stand part of the Bill.
The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker : Question is—
That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.
The motion was carried.

Title

Mr. Speaker : Question is—
That Title be the Title of the Bill.
The motion was carried.

Mr. Speaker : Now, the Minister for Local Government will move that the Bill be passed.

स्थानीय शासन मंत्री (डा० जगता जीध) : अध्यक्ष महोदय, मे प्रस्ताव करती हूँ—
कि विवेकव फारित किया जाए।

Mr. Speaker : Motion moved—
That the Bill be passed.

Mr. Speaker : Question is—
That the Bill be passed.
The motion was carried.

7. दर्शकाणा नगर नियम (संशोधन) विचेष, 1999

Mr. Speaker : Now the Minister for Local Government will introduce the Haryana Municipal Corporation (Amendment) Bill, 1999 and she will also move the motion for its consideration.

स्थानीय शासन मंत्री (डा० जगता जीध) : अध्यक्ष महोदय, मे दर्शकाणा नगर नियम (संशोधन)
विचेष, 1999 प्रस्तुत करती हूँ। अध्यक्ष महोदय, इस तिम के बारे में में सदन को कुछ वित्ताप वाहूँग।
Mr. Speaker: Motion moved—

That the Haryana Municipal Corporation (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Question is—

That the Haryana Municipal Corporation (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2

Mr. Speaker: Question is—

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.
Clause 3

Mr. Speaker : Question is—
That Clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 4

Mr. Speaker : Question is—
That Clause 4 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 5

Mr. Speaker : Question is—
That Clause 5 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 6

Mr. Speaker : Question is—
That Clause 6 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 7

Mr. Speaker : Question is—
That Clause 7 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 8

That Clause 8 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 9

Mr. Speaker : Question is—
That Clause 9 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 10

Mr. Speaker : Question is—
That Clause 10 stand part of the Bill.

The motion was carried.
Clause 11

Mr. Speaker: Question is—

That Clause 11 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker: Question is—

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is—

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is—

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Local Government Minister will move that the Bill be passed.

स्वाभाविक शासन मंत्री (डा. राजा कल्लू) : अब वे मेरे प्रस्ताव का सहयोग करें—

कि वित्त दृष्टि से पारित किया जाये।

Mr. Speaker: Motion moved—

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is—

That the Bill be passed.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I thank you all. Now, the House stands adjourned sine-die.

*12.42 Hrs.* (The Sabha then adjourned sine-die)